हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 74 देहरादून, शनिवार, 07 सितंबर, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 8

मुख्यमंत्री धामी के विज़न के अनुरूप ही होगी मदरसा शिक्षा : मुफ्ती शमून कासमी 3

आपदा प्रभावित व्यवसायियों के लिए 9 करोड़ जारी : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ में पिछले महीने आई आपदा से प्रभावित व्यवसायियों को राहत प्रदान करने के लिए नौ करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। इस वित्तीय सहायता को मंजूरी देने के संबंध में सचिव मुख्यमंत्री शैलेश बगौली ने रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी को आदेश पत्र जारी कर दिया है।

यह कदम आपदा से उबरने में प्रभावित व्यापारियों को सहायता प्रदान करने और उनके पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।31 जुलाई को भारी बारिश के कारण लिनचौली से सोनप्रयाग तक का पैदल और मोटर मार्ग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे स्थानीय व्यवसायियों को भी गंभीर आर्थिक नुकसान हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थिति का जायजा लेने के लिए दो बार घटनास्थल पर जाकर नुकसान का निरीक्षण किया और प्रभावित यात्रियों और स्थानीय लोगों से बातचीत की।

उनके निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों के साथ एक बैठक आयोजित की, जिसमें आपदा प्रभावितों के लिए 9.08 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया।मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष से मंजूर कर दी गई है। आदेश के अनुसार, स्वीकृत धनराशि का भुगतान प्रभावितों के सत्यापन और परीक्षण के बाद किया जाएगा, और यह भुगतान ई-बैंकिंग या डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से किया जाएगा।

डीएम की अध्यक्षता में हुई बैंकर्स की जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की तिमाही बैठक

पौड़ी । पौड़ी में शुक्रवार को डीएम की अध्यक्षता में बैंकर्स की जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की तिमाही बैठक का आयोजन हुआ। उरेडा अफसर के बैठक से नदारद रहने पर डीएम ने उनके वेतन रोकने के निर्देश दिए।

बैंकर्स की बैठक लेते हुए डीएम पौड़ी डॉ. आशीष चौहान ने सीएम स्वरोगजार योजना के लक्ष्यों को पूरा करने पर जोर दिया। बताया गया कि इस योजना में वार्षिक लक्ष्य 900 के सापेक्ष अभी तक 493 आवेदन ही स्वीकृत हुए हैं। जबकि एनआरएलएम में बैंकों को 3700 का लक्ष्य दिया गया था जिसमें 1130 आवेदन स्वीकृत होने के साथ ही 177 निरस्त हो गए और 891 लंबित चल रहे हैं।जिस पर डीएम ने संबंधित बैंकों को इन लंबित आवेदनों का निस्तारण समय से करने के निर्देश दिए। वहीं 20 होमस्टे के लक्ष्य के सापेक्ष 4 आवेदन स्वीकृत होने पर इस संबंध में पर्यटन अधिकारी को लक्ष्य पूरा करने को लेकर कदम उठाने को कहा। बैठक में सीडी रेशो और केसीसी की प्रगति में भी सुधार के निर्देश डीएम ने दिए। वहीं आरसेठी निदेशक को अंत्योदय कार्ड धारकों को बेहतर ट्रेनिंग देने को कहा ताकि उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जा सके।

प्रदेश में 25 नवंबर तक होंगे निकाय चुनाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी। उत्तराखंड में नगर पंचायत, नगर पालिका और नगर निगमों के चुनाव अब 25 नवंबर को कराए जाएंगे। यह जानकारी सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में दाखिल शपथ पत्र कर दी गई है। हालांकि, पिछली सुनवाई में सरकार की ओर से कहा गया था कि निकाय चुनाव 25 अक्तूबर तक करा लिए जाएंगे। शुक्रवार को हुई सुनवाई में सरकार ने इस तिथि तक चुनाव कराने में असमर्थता जता दी। हाईकोर्ट में शुक्रवार को मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रितु बाहरी और न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में हुई। सरकार ने शपथ पत्र में कहा है कि स्थानीय निकाय चुनाव की अधिसूचना 10 नवंबर को जारी होगी। शपथ पत्र में कहा है कि इसी साल 25 दिसंबर तक निकाय निर्वाचन प्रक्रिया पूरी तरह से संपन्न कर ली जाएगी। राज्य सरकार की ओर से कोर्ट में पिछली सुनवाई में दिए गए शपथ पत्र के अनुसार 25 अक्तूबर तक निकाय चुनाव प्रक्रिया पूरी करने में असमर्थता जताते हुए यह नया शपथ पत्र दिया है। कोर्ट को बताया गया कि नए राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति की जा चुकी है। सरकार ने यह भी बताया है कि 11 स्थानीय निकायों के परिसीमन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। यह प्रक्रिया 31 अक्तूबर तक पूरी हो जाएगी। शपथ पत्र में कहा है कि 16 अक्तूबर को राज्य निर्वाचन आयोग अंतिम मतदाता सूची जारी कर देगा। हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में राज्य सरकार को जल्द निकाय चुनाव कराने के निर्देश दिए थे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त की हो चुकी है नियुक्ति : हाईकोर्ट में बीते दिनों हुई मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कहा था कि 25 अक्तूबर तक निकाय चुनाव करा लिए जाएंगे। साथ ही राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति भी अगस्त अंत या सितंबर पहले सप्ताह तक कर ली जाएगी। शासन ने राज्य के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुशील कुमार को इस पद पर नियुक्त करने के आदेश किए। बीते शुक्रवार को सुशील कुमार ने देहरादून में रिंग रोड स्थित आयोग के कार्यालय में राज्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार ग्रहण भी कर लिया।

गेस्ट टीचर्स को 180 दिन की मैटरनिटी लीव का आदेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 सितंबर , उत्तराखंड के माध्यमिक स्कूलों में तैनात गेस्ट टीचर्स को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। उन्हें भी अब 180 दिन की मैटरनिटी लीव दी जाएगी। इस संबंध में शिक्षा सचिव रविनाथ रमन ने आदेश जारी कर दिए हैं। बता दें कि गेस्ट टीचर्स के आंदोलन के समय शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने उन्हें मैटरनिटी लीव देने का आश्वासन दिया था। आउटसोर्स, संविदा, तदार्थ और नियत वेतन कर्मियों के लिए यह सुविधा पिछले साल 18 अप्रैल से दी जा रही है।

4200 से अधिक हैं गेस्ट टीचर्स

शिक्षा विभाग में इस समय 4200 से ज्यादा गेस्ट टीचर्स यानी अतिथि शिक्षक हैं, जो हाईस्कूल और इंटर कॉलेज में पढ़ाते हैं। इनमें महिलाओं की संख्या सबसे ज्यादा

है।राज्य सरकार के फैसले का माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक भट्ट ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि अब मानदेय को 40 रुपये प्रति माह करने के साथ ही पदों को आरक्षित करने और व्यायाम शिक्षकों का समायोजन करने के आश्वासन पर भी सरकार को जल्द आदेश जारी करना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन की मेजबानी करेगा उत्तराखंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 7 सितंबर , उत्तराखंड में पहली बार अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन होगा। यह सम्मेलन 12 से 15 दिसंबर तक देहरादून में होगा। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयुर्वेद संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

आयुष मंत्रालय ने सौंपा जिम्मा

आयुष मंत्रालय ने उत्तराखंड को अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन कराने की जिम्मेदारी सौंपी है। यह सम्मेलन एफआरआई देहरादून में होगा। आयुर्वेद विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछले साल दिसंबर में उत्तराखंड में वैश्विक निवेशक सम्मेलन हुआ था। अब राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन कराने जा रही है। इस सम्मेलन में 8 से 10 देशों के प्रतिनिधियों को बुलाने की संभावना है। इसमें आयुष चिकित्सा एवं शोध

संस्थाओं के विशेषज्ञ और आयुष फार्मा कंपनियां आयुष चिकित्सा को बढ़ावा देने पर मंथन करेंगी।

अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन से राज्य को आयुष हब के रूप में विकसित करने लिए महत्वपूर्ण सुझाव मिलेंगे। इस दौरान आयुष एवं वेलनेस क्षेत्र में निवेश के लिए कंपनियों के साथ एमओयू भी साइन हो सकता है।अपर सचिव आयुष विजय कुमार जोगदंडे के मुताबिक, अंतराराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। यह सम्मेलन एफआरआई में होगा। इसमें शामिल होने वाले प्रतिनिधियों की लिस्ट तैयार की जा रही है।

मोबाइल फोन से ब्रेन कैंसर? सच या झूठ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 सितंबर , क्या मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से ब्रेन कैंसर होने की संभावना होती है? इस विषय पर कई वर्षों से शोध चल रहा है. इसे लेकर कुछ भ्रांतियां हैं. सीमित आंकड़ों के साथ अतीत में प्रकाशित कुछ अध्ययनों में कहा गया है कि मोबाइल फोन की रेडियो तरंगों से ग्लियोमा ट्यूमर बनने की संभावना है जो ब्रेन कैंसर का कारण है. वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के एक हालिया अध्ययन ने इन भ्रांतियों को खारिज कर दिया है.

यह शोध WHO की ओर से ऑस्ट्रेलियाई विकिरण सुरक्षा और परमाणु सुरक्षा एजेंसी (ARPANSA) द्वारा किया गया था. इस एजेंसी ने एक व्यापक अध्ययन किया है जिसमें बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण किया गया. इसके साथ ही निष्कर्ष निकाला गया कि मोबाइल फोन के उपयोग और ब्रेन कैंसर के बीच कोई संबंध नहीं है. बता दें, लगभग 5 हजार अध्ययनों का विश्लेषण करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया है.

■ मोबाइल हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं ?

अध्ययन में कहा गया है कि पिछले दो दशकों में वायरलेस टेक्नॉलॉजी तेजी से बढ़ी है, लेकिन ब्रेन कैंसर के मामले उस दर से नहीं बढ़े हैं. मई 2011 में, इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) ने एक अध्ययन प्रकाशित किया. जिसमें कहा गया कि रेडियो तरंगों के संपर्क में आने से कैंसर होने की संभावना होती है. यह भी कहा गया कि ग्लायोमा ट्यूमर जो मस्तिष्क कैंसर का कारण है, जो वायरलेस फोन के इस्तेमाल से बन सकता है.

आपको बता दें कि उस शोध के साक्ष्य सीमित हैं. वह अध्ययन सीमित आंकड़ों के साथ प्रकाशित हुआ था. ताजा शोध में, ARPANSA ने भारी मात्रा में डेटा का विश्लेषण किया. इस विषय पर हाल ही में हुए सभी अध्ययनों को ध्यान में रखा गया है और गहनता से जांच की गई. बाद में, यह स्पष्ट किया गया कि वायरलेस तकनीक से निकलने वाली रेडियो तरंगें मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं हैं.उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि मोबाइल फोन से निकलने वाली रेडियो तरंगों और मस्तिष्क से संबंधित अन्य कैंसर से ग्लायोमा ट्यूमर के मस्तिष्क कैंसर होने की कोई संभावना नहीं है. यह अध्ययन एनवायरनमेंट इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हुआ.

क्या भविष्य में नहीं पैदा होंगे लड़के ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 सितंबर , गर्भ में बच्चे का लिंग (लड़का या लड़की) उसके माता-पिता के क्रोमोसोमों पर निर्भर करता है। महिलाओं के पास दो X क्रोमोसोम होते हैं, जबकि पुरुषों के पास एक X और एक Y क्रोमोसोम होता है। अगर एंब्रियो में XX क्रोमोसोम होते हैं, तो लड़की होती है और XY होने पर लड़का। Y क्रोमोसोम ही लड़के के जन्म के लिए जरूरी होता है। लेकिन हाल की रिसर्च में पता चला है कि Y क्रोमोसोम धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। अगर ऐसा होता रहा, तो भविष्य में सिर्फ लड़कियां ही पैदा होंगी और पुरुषों का जन्म संभव नहीं होगा। हालांकि, Y क्रोमोसोम के खत्म होने में लाखों साल लग सकते हैं, लेकिन यह इंसान की पूरी नस्ल के लिए खतरे की घंटी है। वैज्ञानिक इस पर गहन शोध कर रहे हैं, ताकि Y क्रोमोसोम के खत्म होने से पहले इसका कोई समाधान निकाला जा सके।

Y क्रोमोसोमः मानव भविष्य पर खतरा ?

हाल ही में आई एक साइंस अलर्ट रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों के Y क्रोमोसोम धीरे-धीरे खत्म हो रहे हैं। Y क्रोमोसोम का धीरे-धीरे कम होना मानव भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। हालांकि, इसके खत्म होने में लाखों साल लग सकते हैं। अगर इंसानों ने Y क्रोमोसोम के खत्म होने से पहले एक नए जीन को विकसित नहीं किया, तो धरती पर इंसानों का अस्तित्व खत्म हो सकता है।

Y क्रोमोसोम कैसे करता है पुरुष का विकास?

Y क्रोमोसोम में एक खास जीन होता है जो एंब्रियो को पुरुष के रूप में विकसित करता है। जब गर्भधारण के लगभग 12 सप्ताह बाद यह जीन सक्रिय होता है, तो एंब्रियो में पुरुष हार्मोन बनने लगते हैं। यह हार्मोन एंब्रियो को पुरुष के रूप में विकसित करते हैं। यदि Y क्रोमोसोम मौजूद न हो, तो एंब्रियो का विकास महिला के रूप में होता है।

Y क्रोमोसोम की संख्या में गिरावट

रिसर्च में यह पाया गया है कि Y क्रोमोसोम की संख्या धीरे-धीरे कम हो रही है। पिछले 16.6 करोड़ सालों में Y क्रोमोसोम ने 900 जीन से घटकर सिर्फ 55 जीन तक सिमट गए हैं। इस रफ्तार से, हर 10 लाख साल में Y क्रोमोसोम से लगभग 5 जीन खत्म हो रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर ऐसा चलता रहा, तो अगले 1.1 करोड़ वर्षों में Y क्रोमोसोम पूरी तरह समाप्त हो सकता है।

क्या Y क्रोमोसोम के बिना पुरुष का जन्म संभव है?

इस चिंता के बीच वैज्ञानिकों ने कुछ राहत भी पाई है। पूर्वी यूरोप और जापान में पाए गए कुछ चूहों की प्रजातियों में Y क्रोमोसोम खत्म हो चुका है, फिर भी वे जीवित हैं। इन चूहों में X क्रोमोसोम ही दोनों भूमिकाएं निभा रहा है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि इन चूहों में लिंग निर्धारण कैसे होता है।लेकिन इंसानों में, प्रजनन के लिए शुक्राणु की जरूरत होती है, जो पुरुष से आता है। यदि Y क्रोमोसोम खत्म हो गया, तो इंसानों के लिए यह एक बड़ा संकट बन सकता है, क्योंकि इसका मतलब होगा कि पुरुषों का जन्म ही नहीं होगा।

Y क्रोमोसोम के धीरे-धीरे कम होने की वजह से वैज्ञानिक इसे एक बड़ी चिंता के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, इसके खत्म होने में अभी लाखों साल बाकी हैं, लेकिन इस पर शोध जारी है। यदि इंसानों ने इसके विकल्प के रूप में कोई नया जीन विकसित नहीं किया, तो मानव जाति के अस्तित्व पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

पितृ पक्ष में दाढ़ी-बाल क्यों नहीं कटवाना चाहिए ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 7 सितंबर , वैदिक पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरुआत भाद्रपद पूर्णिमा से होती है और यह आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर समाप्त होता है. इन्हें बोलचाल की भाषा में 'श्राद्ध' भी कहा जाता है और इस अवधि को पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए उत्तम माना गया है. इस साल पितृपक्ष 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक रहने वाला है. इस दौरान बाल और दाढ़ी न कटवाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है. यह एक ऐसा समय होता है जब लोग अपने पितरों को श्रद्धांजलि देने के लिए विभिन्न अनुष्ठान और पिंडदान करते हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर क्यों पितृ पक्ष के दौरान बाल और दाढ़ी कटवाने को अशुभ माना जाता है? इस विषय पर प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य ने धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों कारणों पर जानकारी दी है।

विषय के जानकार बताते हैं कि पितृ पक्ष में बाल और दाढ़ी न कटवाने की परंपरा का धार्मिक आधार पितरों के प्रति सम्मान और श्रद्धा से जुड़ा है. यह समय पितरों को याद करने और उनकी आत्मा की शांति के लिए अनुष्ठान करने का होता है. इस दौरान बाल और दाढ़ी न कटवाने को पितरों के प्रति आदर का प्रतीक माना जाता हैं.पंडित ने बताया कि पितृ पक्ष को एक प्रकार का शोक काल माना जाता है, जिसमें परिवार के सदस्यों को अपने पितरों को सम्मान देने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से संयमित रहने की सलाह दी जाती है. बाल और दाढ़ी काटने को इस शोक के दौरान अशुभ माना जाता है, क्योंकि इसे पितरों की स्मृति के प्रति असम्मान के रूप में देखा जाता है. पितृ पक्ष के दौरान संयम, साधना, और त्याग पर जोर दिया जाता है. बाल और दाढ़ी न काटकर व्यक्ति अपने पितरों के प्रति अपनी श्रद्धा और संयम का प्रदर्शन करता है.

क्या है वैज्ञानिक आधार ?

उन्होंने बताया कि इस परंपरा का वैज्ञानिक आधार भी है, जो प्राचीन काल से हमारे पूर्वजों की गहन समझ को दर्शाता है. पितृ पक्ष का समय मानसून के बाद आता है, जब मौसम में बदलाव होता है. इस समय बाल और दाढ़ी न काटने से शरीर को ठंड से बचाया जा सकता है, क्योंकि बाल और दाढ़ी शरीर को प्राकृतिक रूप से गर्म रखने में मदद करते हैं. यह शरीर को बीमारियों से बचाने का एक पारंपरिक तरीका हो सकता है. पुराने समय में सैलून और बारबर के उपकरणों की स्वच्छता की व्यवस्था उतनी अच्छी नहीं होती थी. पितृ पक्ष के दौरान, जब लोग अपने घरों से कम निकलते थे, तो बाल और दाढ़ी न कटवाना संक्रमण के जोखिम से बचाने का एक तरीका हो सकता था.

कैसे शुरू हुई ये प्रथा

विद्वान जानकार ने बताया कि इस परंपरा की उत्पत्ति के पीछे एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भ भी है. प्राचीन भारत में पितृ पक्ष को बहुत ही पवित्र समय माना जाता था, जिसमें पितरों की आत्मा की शांति के लिए विशेष अनुष्ठान किए जाते थे. इस दौरान किसी भी प्रकार का श्रृंगार या शारीरिक सजावट को अनुचित माना जाता था, क्योंकि यह पितरों के शोक काल का उल्लंघन करता है।

मुख्यमंत्री धामी के विज़न के अनुरूप ही होगी मदरसा शिक्षा : मुफ्ती शमून कासमी

मो. शादान सलीम
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,6 सितंबर ।उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड की 16वीं बोर्ड बैठक माननीय अध्यक्ष मुफ़्ती शमून क़ासमी की अध्यक्षता में आयोजित की गईराज्य में मदरसा शिक्षा से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के लिए उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड की 16वीं बोर्ड बैठक 06 सितंबर 2024 को मुफ्ती शमून कासमी की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान, बोर्ड ने माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी के दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, मदरसा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण मुख्यधारा की शिक्षा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

अपने संबोधन में, कासमी ने एनसीईआरटी पाठ्यक्रम का पालन करने के महत्व पर जोर दिया, जिसे पहले ही राज्य भर के मदरसों में सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी मदरसों के लिए अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने आगे उत्तराखंड के लिए एक मदरसा बोर्ड पाठ्यक्रम विकसित करने की आवश्यकता का प्रस्ताव दिया जो एनसीईआरटी मानकों के अनुरूप हो, मदरसा शिक्षा के अद्वितीय सांस्कृतिक और धार्मिक पहलुओं का सम्मान करते हुए मुख्यधारा की शिक्षा का निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित करता हो।

अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने मदरसा बोर्ड मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी की के समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और हाल ही में संपन्न वार्षिक परीक्षा में प्रभावशाली 96% परिणाम प्राप्त करने के लिए मदरसा समुदाय को बधाई दी। यह उपलब्धि छात्रों और शिक्षकों के समर्पण को दर्शाती है।बोर्ड मदरसों के शैक्षिक ढांचे को बढ़ाने, एनसीईआरटी मॉडल पर निर्माण करने और प्रगतिशील और समावेशी शैक्षिक प्रणाली के लिए मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

डोर टू डोर कूडा उठाने वाली कंपनी को नगर आयुक्त गौरव कुमार ने दी चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 सितंबर , नगर आयुक्त गौरव कुमार को कूड़ा गाडियों के क्षेत्र में नहीं पहुचने की शिकायतें विभिन्न माध्यमों जैसे-सिटीजन ऐप, सी0एम0हेल्पलाईन आदि से प्राप्त हो रही थी। जिस पर नगर आयुक्त गौरव कुमार ने नगर निगम परिसर में बने एकीकृत कूड़ा प्रबन्धन कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण करने पहुँचे तथा शहर में ईकॉन कम्पनी, सनलाईट कम्पनी तथा वाटर ग्रेस कम्पनी के द्वारा चलाई जा रही कूड़ा गाडियों की मूवमेंट चैक की ।

नगर आयुक्त के द्वारा निरीक्षण के समय जांची गई व्यवस्था

● नगर आयुक्त द्वारा वार्ड संख्या-93, वार्ड सं0-52 तथा वार्ड सं0-92, वार्ड सं0-96 में चल रही गाड़ियों का प्लेबैक देखा। ●प्रत्येक कम्पनी द्वारा चलाई जा रही कम्पनी की वास्तविक संख्या तथा ब्रेकडाउन गाडियों की संख्या को देखा तथा ब्रेकडाउन गाडियों के स्थान पर गाडियों के रिप्लेसमेंट की जानकारी ली।● वार्ड सं0-99 में एक गली जो गाड़ी के रूट में थी मगर सिस्टम में देखने पर गाड़ी वहां गयी नही प्रतीत हो रही थी पर नगर आयुक्त ने तत्काल गाड़ी नहीं जाने का कारण जाना।●नगर आयुक्त ने वार्डों से होने वाले कूड़े के कलेक्शन की मात्रा की भी जानकारी ली।

20 प्रतिशत से अधिक गाडियों के अनुपस्थिति पर भड़के नगर आयुक्त

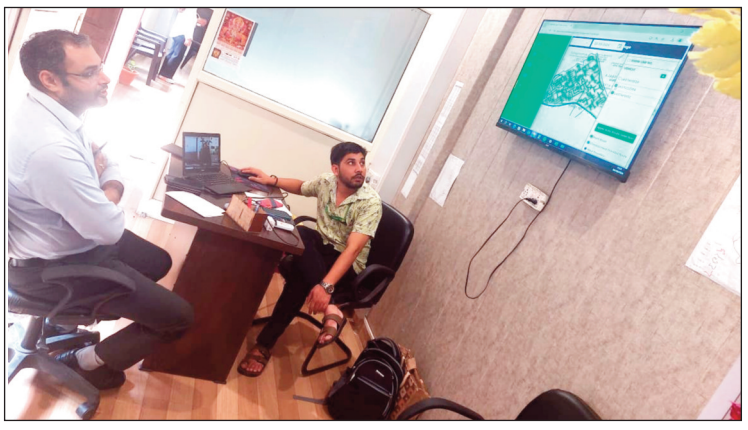

●नगर आयुक्त द्वारा ईकॉन कम्पनी एवं वाटरग्रेस कम्पनी के वाहनों का 20 प्रतिशत से अधिक ब्रेकडाउन होने पर कम्पनी के प्रतिनिधियों को फटकार लगाते हुये तत्काल व्यवस्था सुधारने के सख्त निर्देश दिये। नगर आयुक्त ने डा0 अविनाश खन्ना, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, को मौके पर ही तलब करते हुये सभी कम्पनियों द्वारा संचालित वाहनों की सघन मॉनिटारिंग करते हुये गाडियों की रूट कवरेज बढवाने के निर्देश दिये। ●नगर आयुक्त द्वारा कम्पनियों को निर्देषित किया गया कि औचक रूप से गाड़ियों का प्लेबैक देखा जाय तथा किसी स्थान पर बिना किसी कारण गाड़ी नहीं पहुंचने पर उस पर अविलम्ब कार्यवाही की जाय। ●नगर आयुक्त द्वारा निर्देषित किया गया कि क्षेत्र से अनुपस्थित/ब्रेकडाउन रहने वाली गाड़ियों का रिप्लेसमेंट आवश्यक रूप से कराया जाय ।

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने की अपील -

नगर निगम का पूरा प्रयास शत-प्रतिशत डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का है डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में लगी कम्पनियों द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने की शिकायतें प्राप्त हो रही थी। कम्पनियों को सख्त चेतावनी दी गयी है। साथ ही नगर गिनम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कम्पनियों द्वारा किये जा रहे कार्यों की सख्त निगरानी करने के निर्देश दिये हैं। मेरा सभी क्षेत्रवासियों से अनुरोध है कि सूखा एवं गीला कूड़ा को अलग-अलग कर कूड़ा गाडी मे ही देकर, ''स्वच्छ दून-सुन्दर दून'' की परिकल्पना को साकार करने में नगर निगम का सहयोग करें।

किरायेदारों का सत्यापन कराएं

चमोली। पुलिस की ओर से इन दिनों मजदूरों, बाहरी व्यक्तियों, फड़-फेरी, रेड़ी व ठेले लगाने वाले व्यक्तियों व किरायेदारों का सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार को थानाध्यक्ष डीएस रावत ने थाने में व्यापारियों और आम लोगों के साथ बैठक की। जिसमें कहा गया कि कमरा किराये पर देने से पहले किरायेदार का सत्यपान करायें। सत्यापन न कराने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। सत्यापन प्रक्रिया का उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा को बढ़ाना और अपराधों पर लगाम लगाना है। कहा गया कि सभी ज्वैलर्स अपनी दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगाएं। लंगासू के पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष कैलाश खंडूड़ी ने कहा कि लंगासू बाजार में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए। इस मौके पर स्वर्णकार संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश शाह, पुष्कर रावत, प्रताप लूथरा, विक्रम सिंह, मोहन सिंह, भगवती सती आदि थे।

संक्षिप्त खबरें

डा. उनियाल के शैलेश मटियानी पुरस्कार से सम्मानित करने पर खुशी

श्रीनगर गढ़वाल। शिक्षक दिवस पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चडीगांव के प्रवक्ता डॉ. नारायण प्रसाद उनियाल को शैलेश मटियानी राज्य पुरस्कार से सम्मानित होने पर स्थानीय लोगों और डायट के शिक्षकों ने खुशी जाहिर की है। विकासखंड कीर्तिनगर के हिंसरियाखाल क्षेत्र के पटाखाल गांव के निवासी डॉ. नारायण प्रसाद उनियाल शिक्षा में नवाचारों के लिए जाने जाते हैं। डॉ. उनियाल को शैलेश मटियानी राज्य पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर डायट के प्राचार्य स्वराज सिंह तोमर, प्रवक्ता प्रो. कलेठा, शालिनी भट्ट, जेएस राणा, सहित उनके क्षेत्र के डॉ. श्रीकृष्ण उनियाल, दिनेश प्रसाद उनियाल, वाणी विलास उनियाल, ऋषि राम उनियाल आदि ने खुशी जाहिर की।

प्रधान 9 सितम्बर को देहरादून में करेंगे पंचायती राज मंत्री का घेराव

श्रीनगर गढ़वाल। प्रधान संगठन कीर्तिनगर की मासिक बैठक शुक्रवार को ब्लॉक सभागार कीर्तिनगर में संपन्न हुई। बैठक में प्रधानों का अन्य राज्यों में भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करने पर प्रतिनिधियों ने इसका विरोध किया है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधान संगठन कीर्तिनगर के अध्यक्ष सुनय कुकशाल ने कहा कि एक राज्य एक पंचायत चुनाव को लेकर चल रहें आंदोलन को तोड़ने के लिए सरकार अन्य राज्यों के भ्रमण कार्यक्रम का पत्र जारी किया गया है। जिसका त्रिस्तरीय पंचायत संगठन घोर विरोध करता है। उन्होंने शासन के इस आदेश पत्र तत्काल प्रभाव से निरस्त करने कि मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रधानों का ध्यान भटकाने और आंदोलन की नींव कमजोर करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर रही है। कहा कि यदि सरकार जल्द से त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के एक सूत्रियां मांग पर कार्यवाही नहीं की तो जनप्रतिनिधि 9 सितम्बर को देहरादून में पंचायती राज मंत्री सत्पाल महाराज का घेराव कर धरना प्रदर्शन करेंगे। बैठक में ग्राम प्रधान मैखण्डी मिनाक्षी पुण्डीर, नौर प्रधान प्रीति गोदियाल, प्रधान कण्डोली रश्मि बडोनी, प्रधान धारकोट राजीव जोशी, प्रधान जखंड शिवानी डोभाल, प्रधान सिरवाड़ी धन सिंह रावत सहित आदि मौजूद थे।

रानीहाट जगत विहार खेल मैदान रहेगा यथावथः कंडारी

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत ग्राम राणीहाट के जगत विहार खेल मैदान में रेल विकास निर्माण निगम (आरवीएनएल) द्वारा बनाएं जा रहे विद्युत सब स्टेशन के विरोध में ग्रामीण और खेल प्रेमी मुखर हो गए हैं। खेल मैदान को यथावत रखे जाने की मांग को लेकर पूर्व ग्राम प्रधान मनोज कुमार जोशी ने देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि जगत विहार में बच्चों के लिए एकमात्र खेल मैदान है। जिसमें समय-समय पर तमाम खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां होती रहती हैं। इस खेल मैदान की बदौलत उनके पांच नौनीहाल राजकीय खेल अकादमी में खेल प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने कहा इस खेल मैदान की विशेष उपलब्धी है कि यहीं से महिला एवं बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता आगाज हुआ था। जो आज पूरे पहाड़ एवं मैदानों की मातृशक्ति में सबसे लोकप्रिय खेल बन गया है। ग्राम प्रधान रानीहाट मेघा संजय रावत ने भी खेल मैदान में बन रहे विद्युत सब-स्टेशन का पुरजोर विरोध किया है। उन्होने कहा कि यदि आरवीएनएल खेल मैदान जो आबादी क्षेत्र में है उस पर किसी तरह का निर्माण किया तो सभी क्षेत्रवासी आरवीएनएल और प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगे।

वैश्विक महिला सुरक्षा पर त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली, 7 सितंबर, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और अपराध दुनिया भर में एक गंभीर सामाजिक अभिशाप है और सहयोगात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से जागरूकता, प्रशिक्षण और कौशल के माध्यम से इस बढ़ती प्रवृत्ति को खत्म करने के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।पहली बार, भारत और नेपाल की संस्थाओं ने दुनिया भर में महिलाओं को सक्षम और सशक्त बनाने की जिम्मेदारी लेने के लिए हाथ मिलाया।वुमेन रिवोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड (वुमेंटोर) ने फाइट बैक प्राइवेट लिमिटेड (फाइटबैक) के साथ नई दिल्ली में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएम) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

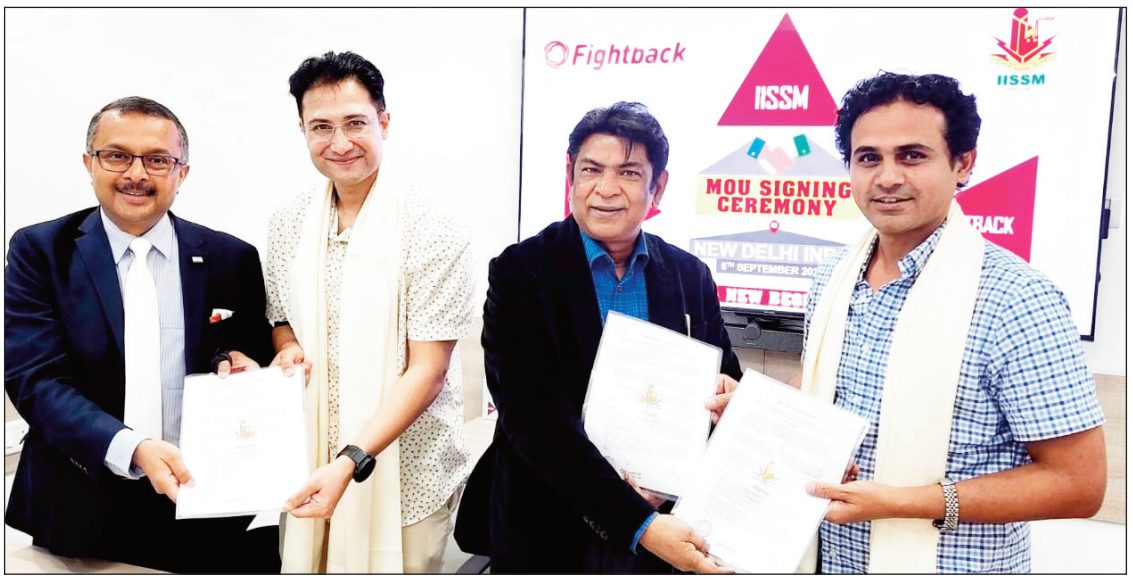

इस समझौता ज्ञापन पर फाइटबैक के प्रबंध निदेशक विक्रांत पांडे, वूमेनोर के निदेशक अनुज शर्मा और आईआईएसएसएम के सीईओ प्रोफेसर संतोष कुमार ने कर्नल रोहित देव, सीबीओ, आईआईएसएसएम की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए, जिन्होंने इस विशिष्ट साझेदारी को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य पारस्परिक रूप से लाभकारी अवसरों को बढ़ावा देने के लिए सहयोग और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता स्थापित करना है तथा इसका उद्देश्य महिलाओं, बच्चों, हाशिए पर पड़े लोगों और विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लाभ के लिए कार्यक्रम विकसित करना और शोध गतिविधियाँ शुरू करना है।

अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, तीनों पक्षों ने जोखिम आकलन, लेखा परीक्षा, विविध प्रकृति के प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्यावसायिक कौशल को निखारने आदि में प्रशिक्षण आयोजित करने के अलावा, कार्यक्रमों, व्याख्यानों या शोध गतिविधियों के लिए विद्वानों और नामित प्रतिभागियों को आमंत्रित करके संस्थागत आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, प्रासंगिक मुद्दों पर सेमिनार, सम्मेलन और बैठकें आयोजित करने और दुनिया भर में समाज और महिलाओं के पारस्परिक लाभ और व्यापक भलाई के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए रास्ते तलाशने पर भी सहमति व्यक्त की है।

इस साझेदारी में दुनिया भर में महिला सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकारों, अंतर-सरकारी एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों और संस्थानों की मदद से अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने की अपार संभावना है।पूर्व राज्यसभा सांसद और आईआईएसएसएम के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. आर.के. सिन्हा ने इस साझेदारी के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और संतोष व्यक्त किया कि यह साझेदारी ऐसे समय में हुई है जब महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं और महिलाओं को सशक्त बनाने तथा अनुकूल और सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है।

उत्तराखंड के मूल निवासियों की शिकायतों के लिए बनेगा प्रवासी बोर्ड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने देहरादून में विदेश मंत्रालय, भारत सरकार तथा उत्तराखण्ड सरकार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विदेश सम्पर्क-स्टेट आउटरीच कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देहरादून में विदेश सम्पर्क-स्टेट आउटरीच कॉन्फ्रेंस आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि इस पहल से राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों व हितधारकों को केन्द्र सरकार द्वारा प्रवासियों के हित में किये जा रहे प्रयासों की जानकारी मिलेगी । इस प्रयास से विभिन्न देशों में रहने वाले उत्तराखण्ड के प्रवासियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान में भी सहायता मिलेगी। सीएस रतूड़ी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उत्तराखण्ड के प्रवासियों की सुविधा के लिए उत्तराखण्ड प्रवासी प्रकोष्ठ बनाया गया है। मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर विदेशों में रह रहे उत्तराखण्ड के मूल निवासियों की शिकायतों के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए एक प्रवासी बोर्ड गठित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के सन्दर्भ में विदेशों में शिक्षा के लिए जाने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रक्रियाओं, प्लेसमेंट एजेंसियों के सेंसटाइजेशन, सुरक्षित व कानूनी माइग्रेशन, वैवाहिक विवाद, मृतकों के पार्थिव अवशेषों की वापसी की प्रक्रियाओं की जानकारी, प्रवासियों के सम्बन्ध में डेटा शेयरिंग का विशेष महत्व है। हमारे लिए अन्य राज्यों द्वारा अपने प्रवासियों की सुविधा और कल्याण के लिए अपनाये जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज की जानकारी भी जरूरी है। विद्यार्थियों तथा काम करने वालों के पंजीकरण की प्रक्रियाओं की जानकारी होनी भी आवश्यक है। हमारे समक्ष साइबर क्राइम भी एक बड़ी चुनौती है। कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय से सचिव (सीपीवी एण्ड ओआईए) अरुण कुमार चटर्जी ने कहा कि विदेश सम्पर्क प्रोग्राम विदेश मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य प्रवासी भारतीयों के साथ संबंधों को गहरा करना तथा उनसे संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए राज्य सरकारों के साथ साझेदारी करना है। वर्ष 2017 से अब तक पंजाब, हरियाणा, तेलंगाना, महाराष्ट्र, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश और कर्नाटक की राज्य सरकारों के साथ आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। संयुक्त सचिव (डीई) विदेश मंत्रालय अंकन बनर्जी ने प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ जुड़ाव, विदेश में भारतीय महिलाओं से संबन्धित मुद्दे, भारतीय छात्रों से संबन्धित मुद्दे, एनआरआई/पीआईओ के अधिकार व कानूनी मुद्दे, राज्यों में एनआरआई संस्थान, प्रवासी भारतीयों के लिए विदेश मंत्रालय की योजनाओं तथा डेटा का संग्रह जैसे विषयों पर चर्चा की। सयुंक्त सचिव (सीपीवी) विदेश मंत्रालय, बिनॉय जॉर्ज ने विदेश में मरने वाले भारतीय नागरिकों के पार्थिव अवशेषों के परिवहन, काउंसलर शिकायत निवारण पोर्टल, उत्तराखण्ड में राज्य स्तर पर काउंसलर एक्सेस की प्रक्रिया, राष्ट्रीयता सत्यापन, विदेशियों तक काउंसलर एक्सेस व सजायाफता व्यक्तियों का स्थानांतरण जैसे विषयों पर चर्चा की। अनु सचिव (ईडी) विदेश मंत्रालय रशेल गर्ग ने व्यापार व निवेश के अवसरों व चुनौतियों के सम्बन्ध में चर्चा की। शुक्रवार को देहरादून में आयोजित विदेश सम्पर्क-स्टेट आउटरीच कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विदेश मंत्रालय ने उत्तराखण्ड सरकार के हितधारकों और अधिकारियों को वाणिज्य दूतावास और पासपोर्ट सेवाओं के लिए मंत्रालय द्वारा प्रवासी भारतीयों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने तथा उनके कल्याण और संरक्षण के लिए उठाए गए कार्यक्रमों, योजनाओं और पहलों से अवगत कराया। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड सरकार और विदेश मंत्रालय ने प्रवासियों से सम्बन्धित मुद्दों और समस्याओं के समाधान के लिए आपसी सहयोग को मजबूत करने पर मंथन किया।

बैठक में उत्तराखण्ड महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्धन, सभी विभागीय सचिव, सभी जनपदों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक व विदेश मंत्रालय के अधिकारी मौजूद रहे।

चमोली के मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह के देहरादून स्थानान्तरण पर दी भावभीनी विदाई

चमोली। जनपद चमोली के मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह का स्थानान्तरण देहरादून जनपद में मुख्य विकास अधिकारी पद पर होने के फलस्वरूप शुक्रवार को विकास भवन में तमाम जिला स्तरीय अधिकारियों एवं कार्मिकों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। आईएएस अधिकारी अभिनव शाह ने जनपद चमोली में दिनांक 29 नवंबर 2023 से 06 सितंबर 2024 तक मुख्य विकास अधिकारी के रूप में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दी। विदाई समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, परियोजना निदेशक आनंद सिंह एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने उनके सौम्य और सरल कार्यशैली की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने जिला स्तरीय अधिकारियों से मिले सहयोग और आम जनता के प्यार को सराहा और सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जनपद में सभी ने टीम भावना के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि नौकरी में मेरी पहली पोस्टिंग जनपद चमोली में हुई थी। जनपद चमोली उनकी स्मृतियों में हमेशा बना रहेगा। विदाई समारोह का संचालन खंड विकास अधिकारी मोहन जोशी द्वारा किया गया।

गजेंद्र और दीपक के गीतों पर छात्र नाचे

चमोली। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को रंगारंग कार्यक्रमों के साथ छात्रसंघ समारोह का समापन हो गया है। समारोह के मुख्य अतिथि बदरीनाथ के विधायक लखपत बुटोला ने कहा कि छात्र छात्राओं को निरंतर उच्च कोटि की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। इसी से उनके जीवन में उन्नति के द्वार खुलेंगे। उन्होंने महाविद्यालय में बालिका शौचालय बनाने, सैनिटरी पैड मशीन लगाने एवं प्रवेश द्वार बनाने की घोषणा की।

ठेका कर्मचारियों के समर्थन में आए स्थाई कर्मचारी

देहरादून। उत्तराखंड जल संस्थान कर्मचारी संगठन उत्तराखंड ने मुख्यालय में आंदोलनरत ठेका कर्मचारियों को समर्थन देते हुए मैनेजमेंट से मांगों के निस्तारण की मांग की। सीजीएम नीलिमा गर्ग को सौंपे ज्ञापन में संगठन पदाधिकारियों ने समान काम का समान वेतन उपलब्ध कराने पर जोर दिया। प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री श्याम सिंह नेगी ने सीजीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि योजनाओं में तैनात ठेका कर्मचारियों को न समय पर वेतन मिल रहा है। वेतन का पूरा भुगतान सुनिश्चित किया जाए। पीटीसी कर्मचारियों को सितंबर 2021 से मार्च 2022 तक बढ़े हुए वेतन के एरियर का समेत भुगतान किया जाए। श्रम मानकों के अनुसार वेतन का भुगतान किया जाए। कहा कि विभागीय ढांचे में फील्ड कर्मचारियों के पदों को बढ़ाया जाए। विभिन्न शाखाओ के कर्मचारियों के लंबित वाहन भते की स्वीकृति प्रदान की जाए।

संक्षिप्त खबरें

कृमि दिवस पर हर बच्चे को दी जायेगी अल्बेंडाजोल-सीडीओ

नई टिहरी। सीडीओ डा. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में शुक्रवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में निरीक्षण कर यह सुनिश्चित कर लें कि कोई भी बच्चा और किशोर एल्बेंडाजोल की दवा खाने से न छूटे। सीडीओ डा. श्याम विजय ने बताया कि 10 सितंबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। बताया कि जो बच्चे किसी कारण वश दवा खाने से वंचित रह जाएंगे, उन्हें आगामी 18 और 19 सितंबर को दवा दी जाएगी। बैठक में एसीएमओ डा एलडी सेमवाल, डीईओ बैसिक वीके ढौंडियाल आदि मौजूद रहे।

क्विज में रेशिका रही अब्बल

नई टिहरी। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय थत्यूड़ में गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. संगीता सिदोला के संयोजन में छात्रों के लिए कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया। डा. संगीता सिदोला ने छात्रों को शरीर में पौष्टिक भोजन के लाभ बताया। साथ ही छात्रों को घर का बना भोजन किन मायनो में बाजार के भोजन से बेहतर है यह भी बताया। मौके पर छात्रों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें बीए तृतीय सेमेस्टर की रेशिका ने प्रथम स्थान, बीए सेमस्टर प्रथम की राधिका ने द्वितीय व बीए प्रथम सेमेस्टर की सिमरन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डा. संदीप कश्यप, डा. नीलम, डा. रवि चंद्रा, सलोनी, किरण, इशिका आदि मौजूद रहे।

मांगों को लेकर मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय में गरजे जिले के शिक्षक

नई टिहरी। प्रधानाचार्य सीमित विभागीय सीधी भर्ती परीक्षा निरस्त करने की मांग को लेकर राजकीय शिक्षक संघ ने शासन-प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिले भर से आए शिक्षकों ने शुक्रवार को मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय नरेंद्रनगर में प्रदर्शन कर विरोध जताया। आंदोलनकारी शिक्षकों का कहना है कि विभाग के साथ कई दौर की वार्ता के बाद भी कोई सकारात्मक निर्णय नहीं निकला है। जिस कारण संघ आंदोलन को बाध्य है। संघ ने मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई न होने पर निदेशालय देहरादून में क्रमिक अनशन व उसके बाद आमरण अनशन की चेतावनी दी है। धरना प्रदर्शन में संगठन मंत्री बुद्धि प्रसाद भट्ट,कमलनयन रतूड़ी, हितेंद्र पंवार, राखी पयाल, जितेंद्र बिष्ट, रेखा डंगवाल, सुनीलराज कंडारी, सुमन डोभाल, शिव सिंह नेगी, डॉ. हेमंत पनौली, यशपाल राणा, प्रदीप उनियाल, आनंद सिंह सजवाण, धनदेव सिंह, दीपक बहुगुणा आदि मौजूद रहे।

सीईओ कार्यालय में किया जनपद के शिक्षकों ने धरना प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग। प्रधानाचार्य के पदों पर सीधी भर्ती सहित अन्य कई मांगों को लेकर जनपद के समस्त माध्यमिक शिक्षकों ने मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षकों का हुजूम उमड़ पड़ा। शिक्षकों ने कहा कि सरकार ने यदि उनके साथ न्याय नहीं किया तो विशाल आंदोलन किया जाएगा। शुक्रवार सुबह मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय में राशिसं के जिलाध्यक्ष नरेश भट्ट के नेतृत्व में प्रांतीय शिक्षक संघ के निर्देशों पर जनपद के समस्त हाईस्कूल एवं इंटरमीडियट स्कूलों के शिक्षकों ने एकत्र होकर धरना प्रदर्शन किया। आक्रोशित शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि शिक्षकों के हकों को उनसे छीना जा रहा है। वर्षो से सेवाएं देने के बाद उन्हें जो पदोन्नति मिलनी है, सरकार उनका रास्ता रोक रही है। यह कतई बर्दास्त नहीं किया जाएगा। कहा कि लम्बे समय सेवाएं देने के बाद हर किसी को पदोन्नति मिलने की उम्मीद रहती है किंतु सरकार प्रधानाचार्यों के पदों पर सीधी भर्ती कर हजारों शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात कर रही है। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष महिला ललिता रौतेला, जिला उपाध्यक्ष शीशपाल पंवार, जिला मंत्री आलोक रौथाण, ब्लॉक अध्यक्ष शंकर भट्ट, जेपी चमोली, गजेंद्र करासी, पूर्व अध्यक्ष आनंद जगवाण, रमेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद थे। सभा का संचालन जिला मंत्री आलोक रौथाण ने किया।

रुद्रप्रयाग में भाषण प्रतियोगिता में अनूप नेगी पब्लिक स्कूल की शिक्षा प्रथम

रुद्रप्रयाग। हिमालय बचाओ अभियान को लेकर शुक्रवार को हिमालय की चुनौतियों पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अनूप नेगी मैमोरियल पब्लिक स्कूल गुलाबराय रुद्रप्रयाग की शिक्षा नौटियाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि द्वितीय स्थान राइंका रुद्रप्रयाग की दुर्गा और तृतीय स्थान पर राबाइंका रुद्रप्रयाग की दीपिका ने हासिल किया। सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह के साथ ही प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 108 स्वामी सचिदानंद अटल उत्कृष्ट राइंका रुद्रप्रयाग में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में नगर मुख्यालय के चार स्कूलों के 8 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

दुनिया के सबसे पहले टीचर कौन थे ?

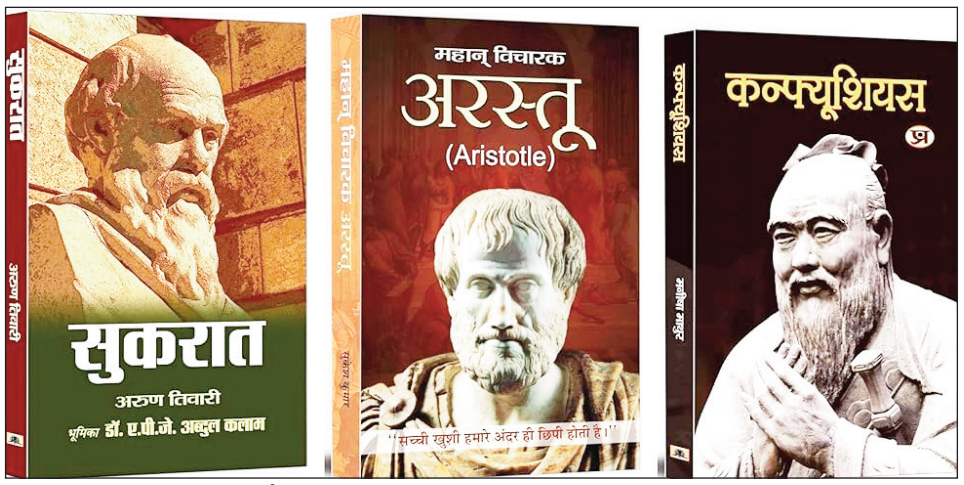

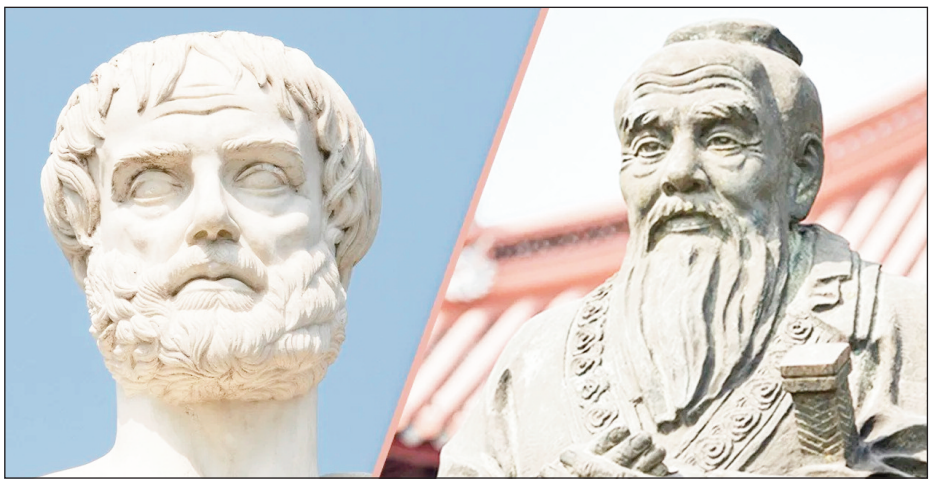

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 सितंबर , हर किसी के जीवन में शिक्षक की क्या भूमिका है, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है. शिक्षक का पेशा आज दुनिया का सबसे बड़ा पेशा है और पूरी दुनिया के स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वालों की संख्या 80 मिलियन से भी ज्यादा बताई जाती है. इनमें प्राइमरी, सेकेंडरी और हाईस्कूल के साथ-साथ कॉलेज-यूनिवर्सिटी के शिक्षक भी शामिल हैं. हालांकि, एक शिक्षक ऐसे भी हुए, जिनके कारण आज शिक्षक दिवस मनाया जाता है. वह थे भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन. पर क्या आपने कभी यह सोचा कि दुनिया का सबसे पहला शिक्षक कौन था?

कन्फ्यूशियस या अरस्तु थे पहले शिक्षक

कन्फ्यूशियस एक प्राइवेट ट्यूटर थे जो इतिहास की शिक्षा देते थे. उनका जन्म 551 बीसी में चीन में हुआ था. उनके प्रारंभिक जीवन के बारे में बहुत जानकारी उपलब्ध नहीं है. एक शिक्षक के रूप में उनकी अहम भूमिका मिलती है. बताया जाता है कि कन्फ्यूशियस का बचपन गरीबी में बीता और वह कभी स्कूल नहीं गए. उन्होंने खुद से संगीत, इतिहास और गणित की पढ़ाई की थी. उस दौर में राजघरानों और रईस घरों के बच्चों की ही शिक्षा तक पहुंच थी., कन्फ्यूशियस चाहते थे कि हर किसी तक शिक्षा पहुंचनी चाहिए. इसलिए जो भी उनके पास पहुंचा, उन्होंने उसको पढ़ाने से गुरेज नहीं किया.भले ही कंफ्यूशियस ने कभी किसी स्कूल में नहीं पढ़ाया पर उनके शिष्यों की कोई कमी नहीं थी. इन्हीं शिष्यों ने बाद में भी कन्फ्यूशियस की शिक्षाओं को आगे बढ़ाया, जिसके कारण उनको दुनिया का पहला शिक्षक 5। माना जाता है.

384 बीसी में जन्मे ग्रीक दार्शनिक अरस्तू को भी दुनिया का पहला शिक्षक मानने वालों की कमी नहीं है. उन्होंने अपने दौर में शिक्षण के हर क्षेत्र में सिस्टमेटिक और साइंटिफिक एग्जामिनेशन की शुरुआत की. उस दौर में अरस्तू को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जाता था, जिसे सब पता हो. बाद में उन्हें दार्शनिक की उपाधि मिली. उन्होंने अकेले ही मेटाफिजिक्स का कॉन्सेप्ट तैयार किया. इसी विषय पर अपनी किताब में उन्होंने बताया कि कैसे सूचना इकट्ठा की जाती है, कैसे आत्मसात की जाती है और कैसे अलग-अलग क्षेत्रों में प्रसारित की जाती है. 424/423 बीसी में जन्मे प्लेटो साल 470/469 बीसी में जन्मे सुकरात के शिष्य थे और अरस्तु ने प्लेटो के अधीन पढ़ाई की थी. अरस्तू जब 18 साल के थे तो उनको पढ़ने के लिए एथेंस में प्लेटो की अकादमी में भेजा गया था, जहां वह अगले 20 साल तक रहे. बाद में अरस्तू को मैसिडोनिया के राजा फिलिप द्वितीय ने अपने बेटे अलेक्जेंडर द ग्रेट (सिकंदर महान) के पढ़ाने के लिए एक ट्यूटर के रूप में नियुक्त किया था.

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने की राजभवन में निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों संग बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शुक्रवार को राजभवन में निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी निजी एवं राजकीय विश्वविद्यालयों के आपसी समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी होने के बजाय एक दूसरे की उपलब्धियों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। विश्वविद्यालयों के शोध एवं नवाचार का लाभ प्रदेश के साथ-साथ देश को मिले और वे एक-दूसरे से अनुभवों का लाभ लें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से अपेक्षा की कि वे उत्तराखण्ड के मोटे अनाजों(मिलेट्स) के क्षेत्र में, यहां पर उत्पादित शहद के क्षेत्र में, होम स्टे के क्षेत्र में, और स्वयं सहायता समूहों को सहयोग के साथ-साथ पलायन को रोकने हेतु शोध एवं अनुसंधान के माध्यम से सहयोग करें।

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश के विकास एवं प्रगति में विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से विशिष्ट शोध की अपेक्षा की जो राज्य हित में हो और यहां के लोगों के जीवन उन्नयन में सहायक हो। राज्यपाल ने कहा कि हमारे प्रदेश के निजी विश्वविद्यालय निःसंदेह गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा को रोजगारपरक बनाकर इस क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहें हैं। उन्होंने कहा कि बदलते समय में विश्वविद्यालयों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेटा तथा क्वांटम जैसी नवीन तकनीकों को अपनाकर उसमें शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा। राज्यपाल ने इस बात पर भी प्रसन्नता जताई कि सभी विश्वविद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को महत्व देने के साथ ही बच्चों को इस ओर प्रेरित कर रहे हैं।

बैठक में ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजय जसोला ने निजी विश्वविद्यालयों को एक प्लेटफार्म पर लाने के लिए बनाए गए डैशबोर्ड ''यूनिसारांश'' के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। कुलपति ने प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया कि इस डैशबोर्ड में राज्य के सभी निजी विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया है जिसमें विश्वविद्यालयों की उपलब्धियां, बेस्ट प्रैक्टिसेज, शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्लेसमेंट, नवाचार एवं अनुसंधान, पेटेंट, किए गए एमओयू, आदि की जानकारी उपलब्ध रहेगी।

लूट लेगा व्हाट्सअप ग्रुप का ये ऑफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 सितंबर , आजकल वॉट्सऐप पर होने वाले इन्वेस्टमेंट स्कैम तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे कई लोग धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। हाल ही में मुंबई का एक मामला सामने आया है, जहां साइबर अपराधियों ने एक नकली इन्वेस्टमेंट ऐप के जरिए एक व्यक्ति को 90 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाया।

ठगों ने वॉट्सऐप पर एक फर्जी इन्वेस्टमेंट ग्रुप बनाया, जिसमें उन्होंने विदेशी एक्सपर्ट्स के नाम से इन्वेस्ट करने के सुझाव दिए। यूजर इस झूठे ग्रुप से प्रभावित हुआ और उसे एक सुनहरा अवसर समझ कर उसमें शामिल हो गया। ग्रुप में शामिल होने के बाद, अपराधियों ने उसे 'Institutional Trading Account' खोलने और एक ऐप डाउनलोड करने को कहा। यूजर ने जब तक समझा, तब तक ठगों ने उससे 90 लाख रुपये ठग लिए।

ऑफर पर आंख मूंदकर भरोसा न करें

यूजर इस फर्जी ग्रुप और उसमें दी गई जानकारी से प्रभावित हो गया और ग्रुप में शामिल हो गया। कुछ समय बाद, ठगों ने उसे 'Institutional Trading Account' खोलने के लिए प्रेरित किया और एक मोबाइल ऐप डाउनलोड करने को कहा। ऐप डाउनलोड

होने के बाद, अपराधियों ने यूजर से कंपनी के बैंक अकाउंट में 90 लाख रुपये जमा करने को कहा।ठगों ने शुरुआत में यूजर को 15.69 करोड़ रुपये का प्रॉफिट दिखाया। लेकिन जब यूजर ने अपने पैसे निकालने की कोशिश की, तो ठगों ने उसे ब्लॉक कर दिया और 1.45 करोड़ रुपये की मांग की। अब तक यूजर को समझ आ चुका था कि उसे बड़ा धोखा हुआ है और उसने 90 लाख रुपये खो दिए हैं।

वाट्सएप इन्वेस्टमेंट स्कैम से बचने के तरीके,

अनजान नंबर से मिले Investment स्कीम या ऑफर वाले मैसेज पर भरोसा न करें। सही कंपनियां ऐसे फर्जी मैसेज नहीं भेजतीं।

किसी भी Investment से जुड़ी बातचीत शुरू करने से पहले मैसेज भेजने वाले की Identity Verify कर लें। अकाउंट पर ब्लू चेकमार्क देख सकते हैं।

अगर आपको जल्दी से Investment करने के लिए उकसाया जा रहा है या अच्छी रिटर्न की गारंटी दी जा रही है, तो सतर्क हो जाएं। ऐसे वादों पर विश्वास न करें।

कभी भी अनजान नंबर या फर्म को अपना पर्सनल जानकारी न दें और ऐसे किसी भी मैसेज या स्कैम को तुरंत रिपोर्ट करें।

संक्षिप्त खबरें

दलीप लोहिया सेंट्रल जोन टी-20 टूनामेंट के लिए चयनित

पिथौरागढ़। मुनस्यारी होकरा निवासी तथा उत्तराखंड पैरा क्रिकेट टीम के खिलाड़ी दलीप लोहिया का सेंट्रल जोन टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। शुक्रवार को उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में आगामी 25 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की पांच टीमें हिस्सा लेंगीं। उनके चयन से सीमांत के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। दलीप ने बताया कि फिजिकली चैलेंज क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के सचिव प्रेम कुमार, डीसीसीआई प्रबंधक व कोच नवीन चौहान के नेतृत्व में उत्तराखंड की टीम जल्द छत्तीसगढ़ के लिए रवाना होगी।

विद्यार्थियों को किया सम्मानित

पिथौरागढ़। राजकीय महाविद्यालय मुवानी में प्रतियोगात्मक परीक्षा में अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने प्रतियोगिता में विजेता रहे मनीषा चंद, भावना, पूजा चंद लीला गिरी, प्रिया बोनाल, मोनिका चौसाली, दिया गिरी, दिया भंडारी सहित अनुष्का चंद्र, गौरव कुमार, गीता, सुनील चंद, अंजली, भावना सामंत, गीता, जगदीश सिंह कन्याल, तनुजा बोहरा, अंजली सामंत, हर्षित सिंह सामंत पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान संयोजक डॉ.सुधीर कुमार, डॉ. रूपेश कुमार, राजकमल किशोर, डॉ.नीमा जोशी, भावना, अलका जोशी आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

पिथौरागढ़। देव सिंह मैदान में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं शुरू हुईं। पहले दिन शुक्रवार को फुटबाल, बॉक्सिंग, क्रिकेट, योग आदि प्रतियोगिताएं हुईं। निजी एकेडमी में बैडमिंटन के मुकाबले खेले गए। जिला खेल समन्वयक जितेंद्र सिंह वल्दिया ने बताया कि अव्वल खिलाड़ी अगले माह नैनीताल में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस दौरान ब्लॉक खेल समन्वयक बिण देवेंद्र सिंह बिष्ट खेल समन्वयक वीरेंद्र सिंह कन्याल, कोच राजन, प्रकाश जंग थापा, रवि पांडे, पुष्कर सिंह रावत, हीरा सिंह, दीपक उप्रेती, शेखर कपूर, राजेश उप्रेती, संजय भट्ट, विक्रम भंडारी, हरीश पंत, गिरीश पाठक, गोकुलनंद पंत, पुष्कर खड़ायत, आशीष पंत, संजय उप्रेती, भरत सिंह, लब्बू वाल्दिया, मुन्नी नयाल, सरिता पंत, ईश्वरी बिष्ट आदि मौजूद रहे।

राशन कार्ड धारकों को साथ लेकर करेंगे आंदोलन

पिथौरागढ़। मांगों को लेकर सस्ता गल्ला विक्रेताओं का खाद्य पूर्ति कार्यालय में धरना-प्रदर्शन शुक्रवार को छठे दिन भी जारी रहा। सोरघाटी सस्ता गल्ला विक्रेता कल्याण समिति के अध्यक्ष मनोज पाण्डेय के नेतृत्व में विक्रेताओं ने धरना दिया। कहा कि 2015 से बिलों का अभी तक भुगतान नहीं हो पाया है, जिसके चलते विक्रेताओं को संघर्ष के लिए मजबूर होना पड़ा है। जल्द बिलों का भुगतान नहीं किया होने पर सस्ता गल्ला विक्रेता राशन कार्ड धारकों को साथ लेकर आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे। इस दौरान महासचिव कैलाश जोशी,विक्रम कुमार,बसंत पुनेठा,रामदेव वर्मा,लक्ष्मण गिरी,रमेश पंत,अनिल जोशी, मनोज, कमल टम्टा, ललित महर, भुवन जोशी, मनोज कापड़ी आदि मौजूद रहे।

राज्य सरकार से की पुरानी पेंशन लागू करने की मांग

पिथौरागढ़। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों ने बांह में काला फीता बांधकर आक्रोश जताया। कर्मचारियों ने शुक्रवार को कोषागार, कलेक्ट्रेट, उद्यान विभाग, सहकारिता विभाग, जिला अस्पताल में बांह में काला फीता बांधकर विरोध प्रकट किया। जिलाध्यक्ष बिजेंद्र लूंठी ने कहा कि एक देश में दो विधान किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किए जायेंगे। जब प्रधानमंत्री, सांसद और विधायक पुरानी पेंशन ले सकते हैं, तो अधिकारियों शिक्षकों कार्मिकों को पुरानी पेंशन क्यों नहीं मिल सकती। सरकार को जल्द पुरानी पेंशन बहाल करनी चाहिए। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला महामंत्री दीपक वर्मा ने कहा कि एनपीएस व यूपीएस दोनों कार्मिक हितों के प्रतिकूल है, इन्हें वापस लिया जाना चाहिए। इस दौरान हेम पांडे, दीवान धामी, कमल नाथ, मोहमद आमिर, ईश्वर बुदियाल,कमल पांडे, प्रेम जोशी, रोहित उप्रेती, भावना धामी, कविंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

पति का चक्कर पकड़ने का ये है 6 तरीके

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 सितंबर , शादी के बाद किसी और के साथ अफेयर रखना जुर्म से कम नहीं है। हालांकि, फिर भी लोग ऐसा करते हैं। कुछ तो ऐसे होते हैं जो पकड़े जाने पर अपनी गलती भी नहीं मानते। पतियों का चक्कर अधिकतर ऑफिस कलीग या अपनी बॉस के साथ चलता है। इन संकेतों से लगाएं पता।शादी के बाद पार्टनर का चक्कर किसी और के साथ होना किसी जुर्म से कम नहीं होता। लेकिन फिर भी ऐसे मामले आए दिन सामने आते रहते हैं और पति-पत्नी के रिश्तों को खराब करते रहते हैं। पतियों का चक्कर अपनी फीमेल कलीग या बॉस के साथ होना तो बिल्कुल कॉमन हो गया है। अगर आप भी अपने पति की लॉयल्टी टेस्ट करना चाहती हैं तो इन संकेतों को ढूंढें।

ऐसे समझें चक्कर में फंसा साथी

देर रात तक ऑफिस में रुकना

काम होना अच्छी बात है। कॉन्फ्रेंस, मीटिंग तक तो ठीक है, यदि ऐसा आए दिन होने लगे तो समझ जाइए कि बात कुछ और है। अगर पूछने पर छोटी-छोटी बातों पर लंबी-चौड़ी सफाई दें, तो भी ये एक इशारा है कि कुछ छुपाया जा रहा है।

टाइम बैलेंसअक्सर ऐसे लोगों के साथ अकस्मात चीजें हो जाती हैं, जैसे अचानक मीटिंग छूट जाना, अचानक ट्रेन मिस कर देना या फिर एकदम से किसी ट्रिप का प्लान बन जाना, वो भी ऑफिस ट्रिप। कुछ पति ज्यादा ट्रैफिक का बहाना भी खूब लगाते हैं। ऐसे पति हमेशा किसी भी स्थिति में फिजिकली मौजूद नहीं हो पाते लेकिन फोन पर हमेशा उपलब्ध होते हैं। उन्हें अपने समय का लेखा-जोखा देना बखूबी आता है।

बार-बार किसी को-वर्कर का जिक्र

अगर आपका पति बार-बार अपने काम के बारे में सिर्फ किसी एक व्यक्ति को लेकर बात करता है, तो यह भी संकेत है कि वह शख्स आपके पति की जिंदगी में बड़ी अहमियत रखता है। बात कुछ भी हो, उस बात की शुरुआत और अंत उस खास शख्स से ही होती है।

अचानक होशियार हो जाना : पतियों की छोटी-छोटी हरकतों को परखें। अचानक यदि पति अपने कपड़ों और लुक्स को लेकर चिंतित रहने लगे हो, अगर आपका पति घर से निकलते समय शीशे में खुद को निहारें, तो समझ जाएं कि कोई महिला तो है जो उनके आसपास घूमती है और जो उन्हें नोटिस करती है। उनका बदला हुआ रंग-रूप सीधा इस बात का इशारा करता है।

अचानक काम को लेकर उत्साह बढ़ जाना : पति को स्ट्रेसफुल नौकरी भी अब मजेदार लगने लगी है और उत्साह का लेवल डबल हो गया है, तो यह उत्साह उनके काम का नहीं बल्कि साथी कर्मचारी के साथ समय बिताने का संकेत हो सकता है। नौकरी और कंपनी को लेकर अचानक प्यार उमड़ना भी जिंदगी में किसी और की दस्तक का इशारा करता है।

किसी सहकर्मी के लिए एक्स्ट्रा केयर : अगर आपका पति किसी एक खासतौर से फीमेल सहकर्मी के लिए चिंतित रहने लगे हो, उनके लिए केयर दिखाने लगे हो, तो यह भी संकेत है आपके पति और उस शख्स के रिश्ते का। जैसे- अगर आप उस कलिग के बारे में कुछ बात करें, तो तुरंत पति का उनके लिए चिंतित हो जाना और उनकी बात शुरू कर देना।

क्यों खड़े होते हैं रोंगटे ? पढ़िए फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 सितंबर , अकसर जब हम डर जाते हैं या फिर हमारे साथ जब कोई ऐसी घटना घटती है, जो उम्मीद से परे होती है। तो हम हैरान रह जाते हैं। ये हैरानी शरीर में रोंगटों के रूप में भी कई बार नजर आती है। मगर क्या आपने सोचा है कि ये रोंगटे खड़े क्यों होते हैं। रोंगटे खड़े होना बिल्कुल आम बात है। कई बार रोंगटे इसलिए खड़े हो जाते हैं कि हमें हद से ज्यादा ठंड लगती है। जब शरीर तापमान नहीं बर्दाश्त कर पाता तो रोंगटे खड़े होने लगते हैं।

आखिर होते क्या हैं गूसबंप्स? सबसे पहले तो ये बात जान लेना जरूरी है कि रोंगटे होते क्या हैं। दरअसल, ये शरीर की एक छोटी सी मांसपेशी (Tiny Muscle) होती है, जो आपके शरीर के हर बाल की जड़ को घेर कर रखती है। जब भी हम कुछ अप्रत्याशित अनुभव करते हैं तो पूरी शरीर में एक सनसनी या फिर झुनझुनी का अहसास होता है। मगर क्या आप जानते हैं कि ऐसा भला होता क्यों है। शरीर में इस झुनझुनी का अहसास किसी भी मौसम में हो सकता है।

रोंगटे खड़े होने की घटना को पिलोइरेक्शन कहते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान हमारे शरीर के बाल कुछ देर के लिए खड़े हो जाते हैं त्वचा भी थोड़ी सिकुड़ सी जाती है और बालों की जड़ों के पास थोड़ा उभार सा आ जाता है।

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि बालों के रोम के पास लगी पिलोरेक्टर मांसपेशियां सिकड़ जाती हैं, जिससे बाल भी खड़े हो जाते हैं। अब ये पिलोइरेक्शन क्या है, चलिये जानते हैं। दरअसल, ये एक रिएक्शन होता है, जो ठंड, डर या फिर सदमे की फीलिंग्स से शुरू हो सकता है। न्यूयॉर्क में कॉर्नेल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कीथ रोच बताते हैं कि रोंगटे खड़े होना इंसानों के लिए फायदेमंद है। हालांकि हमारे शरीर पर जानवरों की तरह बाल नहीं होते, फिर भी पिलोरेक्टर मांसपेशियां नाजुक अंगों पर दबाव कम करने और ठंड की फीलिंग को कम करने के लिए प्रतिक्रिया करती हैं।

एशिया का सबसे दौलतमंद गांव में जमा है 5,000 करोड़

- दुनिया का सबसे अमीर गांव है गुजरात का माधापार
- गांव में 17 बैंकों में कुल 5,000 करोड़ रुपये जमा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 सितंबर , गुजरात का एक छोटा सा गांव माधापर दुनिया का सबसे अमीर गांव बन चुका है। यह कच्छ जिले में है। इस गांव में 7,600 घर और 17 बैंक हैं। गांव ने तरक्की की नई मिसाल कायम की है। माधापार के ज्यादातर लोग NRI हैं जो विदेश में रहकर भी अपने गांव से जुड़े हुए हैं। ये उसकी तरक्की में योगदान देते हैं।कभी मिट्टी के घरों और कम सुविधाओं वाले गांवों की तस्वीर जहन में आती थी। लेकिन, माधापार ने इस सोच को बदल दिया है। यहां के लोग आधुनिक सुख-सुविधाओं के साथ रहते हैं। उनका जीवन स्तर ऊंचा है। माधापार में कई स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल, कॉलेज, झीलें, हरियाली, बांध और मंदिर हैं। 1990 के दशक में जब तकनीकी क्रांति आई तो माधापार ने भी इसे अपनाया और भारत का पहला हाई-टेक गांव बन गया।

92,000 की आबादी में से 65% लोग NRI

माधापार की अमीरी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यहां के 17 बैंकों में औसतन 5,000 करोड़ रुपये जमा हैं। यह रकम हर घर के हिसाब से लगभग 15 लाख रुपये होती है। इस अमीरी का मुख्य कारण विदेश में रहने वाले भारतीय (NRI) हैं। माधापार की 92,000 की आबादी में से 65% लोग NRI हैं जो अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों में रहते हैं। ये NRI अपने परिवारों को पैसे भेजते हैं जिससे गांव की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।

लंदन में 'माधापार ग्राम एसोसिएशन' की स्थापना

माधापार के लोगों ने अपनी जड़ों को नहीं भुलाया है। 1968 में लंदन में 'माधापार ग्राम एसोसिएशन' की स्थापना की गई थी। इस संस्था का उद्देश्य गांव के लोगों को एक-दूसरे से जोड़े रखना है। यहां के लोग खेती-बाड़ी भी करते हैं। उनका उत्पादन देशभर में भेजा जाता है। माधापार की कहानी हमें प्रेरित करती है। यह दिखाती है कि गांवों में भी तरक्की संभव है अगर लोगों में इच्छाशक्ति हो और वे एकजुट होकर काम करें।

संक्षिप्त खबरें

कार से 04.45 लाख का गांजा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

अल्मोड़ा। जनपद के सल्ट थाना क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक स्विफ्ट डिजायर कार से 04.45 लाख रुपये का गांजा पकड़ा है और आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गांजा रामनगर ले जाने की फ़िराक में था। प्राप्त जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष सल्ट मदन मोहन जोशी के नेतृत्व में पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इस दौरान कूपी बैण्ड पंप हाउस के पास स्विफ्ट डिजायर कार संख्या यूके 01टीए 3807 के चालक दीपक नेगी(22) पुत्र बलबीर सिंह नेगी निवासी बैलगड फॉरेस्ट चौकी के पास, रामनगर, जिला नैनीताल के कब्जे से एक सफेद प्लास्टिक के कट्टे तथा एक बैग से कुल 17.83 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करते हुए थाना सल्ट एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर पंजीकृत की। साथ ही कार को सीज किया गया। पूछताछ से पता चला कि चालक गांजे को रामनगर की ओर ले जा रहा था। तस्करी में संलिप्त अन्य लोगों का पता लगाया जा रहा है। प्रकाश में आने पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। पुलिस ने बरामद गांजे की कीमत करीब 04.45 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष के साथ अपर उप निरीक्षक मोहन चंद्रा, हेड कांस्टेबल संजू कुमार, कपिल नयाल, सुरेश चंद्र व दीपक कुमार शामिल रहे।

अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में ब्लड बैंक का हुआ शुभारम्भ

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज से मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान अल्मोड़ा के बेस चिकित्सालय अल्मोड़ा में स्थापित रक्त कोष का बृहस्पतिवार को लोकार्पण हुआ। रक्तकोष शुभारम्भ समारोह को सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवम चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने ऑनलाइन माध्यम से संबोधित किया। स्वास्थ्य मंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर मौजूद भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा ने फीता काट कर रक्त केन्द्र का उदघाटन किया। इस अवसर पर जागेश्वर विधायक जागेश्वर मोहन सिंह महरा ने भी अल्मोडा में बेस चिकित्सालय में मेडिकल कालेज के ब्लड बैंक खुलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ चंद्र प्रकाश भैसोड़ा ने कहा कि अस्पताल में ब्लड बैंक संचालित होने से सुदूर के मरीजों को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर नोडल प्रशासनिक अधिकारी डॉ अनिल पांडे, रक्त केंद्र प्रभारी आशीष जैन, हेम बहुगुणा, राजा खान, ललित लटवाल, मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, एमबीबीएस और नर्सिंग छात्र छात्राएं, पैरा मेडिकल कार्मिक आदि उपस्थित रहे। रक्त कोष के शुभारंभ पर 39 स्वैच्छिक रक्तदाताओं का पंजीकरण किया गया जिनमे से प्रथम दिवस में 18 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। डॉ भैसोड़ा ने कहा कि रक्त केंद्र को सुचारू रूप से चलाने हेतु अधिक रक्त यूनिट की आवश्यकता है। उन्होंने स्वैच्छिक रक्तदाताओं से आग्रह किया कि 07 सितंबर को रक्तकोष में होने जा रहे रक्तदान कार्यक्रम में प्रतिभाग करें।

प्रधानाचार्य सीधी भर्ती के विरोध में सीईओ कार्यालय में गरजे शिक्षक

अल्मोड़ा। प्रधानाचार्य सीधी भर्ती को रद्द किए जाने की मांग को लेकर राजकीय शिक्षक संघ के बैनर तले बृहस्पतिवार को माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों ने सीईओ कार्यालय पहुंचकर धरना दिया तथा प्रधानाचार्य सीधी भर्ती को रद्द करने तथा इन पदों को पूर्व की भांति पदोन्नति से भरने की मांग की। उन्होंने कहा कि सभी विभागों में पदोन्नतियां हो रही है लेकिन शिक्षक पदोन्नति से वंचित हैं। शिक्षकों ने प्रधानाचार्य सीधी भर्ती को शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात बताया। मिनिस्ट्रीयल ऑफिसर्स एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष पुष्कर भैसोड़ा ने भी धरनास्थल पर शिक्षकों को अपना समर्थन दिया और कहा कि सरकार कार्मिकों का उत्पीड़न कर रही है। मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी भी शिक्षकों के साथ हैं और उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि अब शिक्षक आर-पार की लड़ाई का मन बना चुके हैं। सभा का संचालन जिला मंत्री भूपाल सिंह चिलवाल ने किया। सभा को राजकीय शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री रविशंकर गुसाईं, महेंद्र पटवाल, हीरा सिंह बोरा, डॉ कैलाश डोलिया, ब्लॉक अध्यक्ष धौलादेवी राजू महरा, गोपाल सिंह गैड़ा, मदन भण्डारी, गिरीश चंद्र पांडेय, तारा बिष्ट, बिशन अधिकारी, जीवन तिवारी, गोविंद सिंह रावत, उमेश शर्मा आदि ने संबोधित किया। धरना स्थल पर दिनेश पंत, कैलाश रावत, मीनाक्षी जोशी, शिवराज सिंह, मान सिंह, नवीन वर्मा, नितेश काण्डपाल, रमेश धपोला, जीवन लाल साह आदि भारी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

नीलिमा भट्ट बनी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य

अल्मोड़ा। अमन संस्था अल्मोड़ा से जुड़ी सामाजिक कार्यकर्ता नीलिमा भट्ट राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) का सदस्य बनी हैं। वर्तमान में किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य नीलिमा को राज्यपाल की ओर से उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श पर नीलिमा भट्ट को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का सदस्य नियुक्त किया गया है। अल्मोड़ा से नीलिमा के अलावा, हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता महेश चन्द्र कांडपाल, एसएसजे परिसर अल्मोड़ा के विधि विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डा. पीसी जोशी, लॉ कॉलेज देहरादून के डीन प्रोफेसर राजेश बहुगुणा व चमोली की सामाजिक कार्यकर्ता प्रभा रावत को सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

शरीर में हैप्पी हार्मोन होना क्यों जरूरी ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 सितंबर , इंसान खुश रहने के लिए अवसर की तलाश करते रहते हैं। खुश रहना हर किसी को पसंद होता है लेकिन आज के समय में लोग इतने तनाव और काम में बिजी रहने लगे हैं जिससे दिमाग हर वक्त कुछ न कुछ सोचता और चिंता करता रहता है। खुश रहने के लिए हैप्पी हार्मोन जरूरी होता, इंसान में इस हार्मोन की कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है, जानिए।

दुनिया में शायद ही ऐसा कोई होगा जिसे खुशी नहीं आती है। हर इंसान खुश रहने के लिए अलग-अलग वजहों की तलाश में रहता है। कुछ लोग शॉपिंग करते हैं तो खुश होते हैं तो कुछ लोग कुकिंग से खुश हो जाते हैं।दुनिया में ऐसे लोग भी पाए जाते हैं जो किसी भी छोटी बात पर दुखी हो जाते हैं। इंसान के खुश रहने और दुखी रहने के पीछे हार्मोन जिम्मेदार होते हैं। खुश रहने के लिए हैप्पी हार्मोन जरूरी होता है। कैसे इस हार्मोन का लेवल बढ़ाएं।

खुश रहने के लिए हैप्पी हार्मोन कैसे बढ़ाएं?

इंसान के खुश रहने के लिए हैप्पी हार्मोन की जरूरत होती है, इसके लिए शरीर में चार

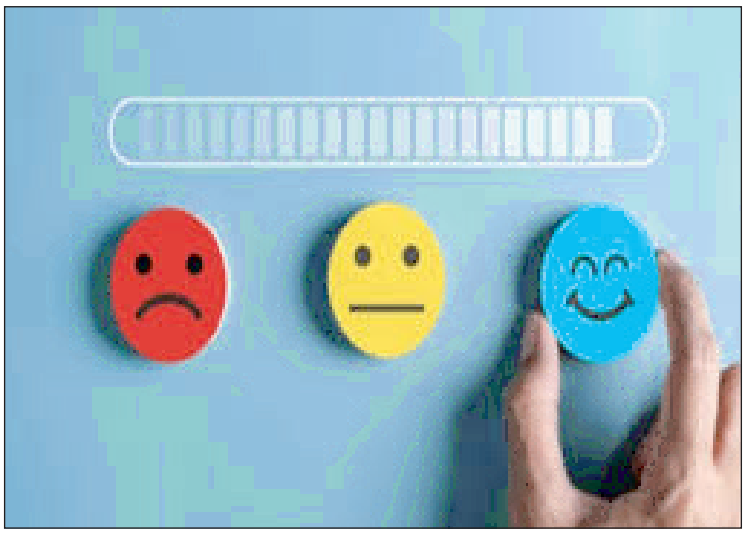

अलग हार्मोन काम करते हैं। इन्हें किस तरह से बढ़ा सकते हैं, जानिए।

डोपामाइन हार्मोन

डोपामाइन हार्मोन को रिवॉर्डिंग हार्मोन भी कहा जाता है। यह हार्मोन दिमाग का न्यूरोट्रांसमीटर माना जाता है जो ब्रेन को शरीर के अन्य हिस्सों से जोड़ने का काम करता है। इस हार्मोन को बढ़ाने के लिए हेल्दी खाना खाना चाहिए, पसंद के गाने सुनें व अखरोट का सेवन रोजाना करें। डेली एक्सरसाइज से भी इसमें फायदा होगा।

ऑक्सीटोसिन हार्मोन

इस हार्मोन को लव हार्मोन भी कहा जाता है, ये ऐसा नेचुरल हार्मोन है जो औरतों में बच्चा पैदा करते समय बनता है। हालांकि, इसे प्रजनन हार्मोन भी कहते हैं जो पुरुष और महिला दोनों को प्रभावित कर सकता है। इस हार्मोन के लेवल को इनक्रीस करने के लिए आप पालतू जानवर रख सकते हैं और उसके साथ समय बिता सकते हैं। सेल्फ लव इसका सबसे अच्छा तरीका हैं, आप खुद को पसंद करें, खुद की तारीफ करें। काजू-बादाम खाने से भी आपको लाभ मिलेगा।

सेरोटोनिन हार्मोन

ये भी ब्रेन में पाया जाने वाला एक केमिकल है जो इंसान को अच्छा फील करवाता है। कहते हैं, इस हार्मोन की मदद से इंसान पूरी जिंदगी जी सकता है। यदि किसी में इस हार्मोन की कमी होती है तो वो स्ट्रेस और तनाव के शिकार हो जाते हैं। इस हार्मोन को बढ़ाने के लिए सुबह धूप लें, एक्सरसाइज करें, मेडिटेशन भी करें और नेचर में समय बिताएं।

एंडोर्फिन हार्मोन

एंडोफ्रिन हार्मोन ऐसा हार्मोन है जिसे दर्द की दवा या फिर पेन किलर हार्मोन भी कहते हैं। इस हार्मोन की मदद से दिमाग और मन शांत रहता है। इसे ऐसे समझ सकते हैं, जैसे कोई किसी काम में सफल हुआ है तो वो एक अलग खुशी महसूस करता है। वो खुशी एंडोफ्रिन हार्मोन की वजह से होती है। इसे बढ़ाने के लिए कॉमेडी शोज, फिल्में आदि देखनी चाहिए। इस हार्मोन को बढ़ाने के लिए डार्क चॉकलेट खानी चाहिए।

शहर की बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ आप ने ढोल बजाकर किया प्रदर्शन

हरिद्वार। हरिद्वार में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को ढोल बजाकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि शहर में अपराधों को रोकने में सराकार और पुलिस प्रशासन विफल रहा है। इससे लोगों में भय का वातावरण पैदा हो रहा है। आप के जिलाध्यक्ष संजय सैनी ने कहा कि विगत कुछ माह से शहर में अपराधों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा क्षेत्र में खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री हो रही है। इसको पीकर युवा पीढ़ी अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो रही है।

पथरी में एटीएम बदलकर एक व्यक्ति के खाते से 61 हजार उड़ाए

हरिद्वार। टप्पेबाज ने एटीएम बदलकर एक व्यक्ति के खाते से 61 हजार रुपये निकाल लिए। फोन पर मैसेज आने पर इसका पता चला। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। भुवापुर चमरावल गांव निवासी राजेन्द्र पुत्र ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पदार्था में एटीएम से पैसे निकालने आया था। इस दौरान वहां पहले से खड़े युवक ने पैसे निकलवाने के बहाने व्यक्ति का एटीएम बदल लिया।

संपादकीय

जल्दीबाजी का कानून

हाल ही में कोलकाता में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार और हत्या की घटना ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। इसको लेकर पश्चिम बंगाल व देश के अन्य भागों में चिकित्सा बिरादरी के लोग व छात्र-छात्राएं आंदोलनरत रहे हैं। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद घटना थी। लेकिन इस मुद्दे को लेकर जिस तरह की राजनीति होती रही है, वह और भी दुर्भाग्यपूर्ण है। विडंबना है कि एक अमानवीय घटना को राजनीतिक अस्त्र बनाने और उसका प्रतिकार करने का माध्यम बना दिया गया। इसी कड़ी में आनन-फानन में बुलाए गए पश्चिम बंगाल विधानसभा के सत्र में जल्दीबाजी में बलात्कार विरोधी विधेयक 'अपराजिता' पारित कर दिया गया। यदि किसी महिला के साथ बलात्कार के बाद मृत्यु हो जाती है या उसे छोड़ भी दिया जाता है, तो विधेयक बलात्कारी के लिये मृत्युदंड का प्रावधान करता है। कहा जा रहा है कि दुराचार के बाद युवा डॉक्टर की निर्मम हत्या के बाद पश्चिम बंगाल में जो आक्रोश आम लोगों में उपजा है उसको दबाने की यह एक राजनीतिक निहितार्थ वाली प्रतिक्रिया है। दरअसल, यह विधेयक जनता के व्यापक विरोध के बाद सामने आया है। जनता ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से न्याय और जवाबदेही की मांग करती रही है। वहीं राज्य सरकार का दावा है कि विधेयक का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शासन की प्रतिबद्धता के प्रति आश्वस्त करना है। हालांकि, ममता सरकार द्वारा आनन-फानन में लाए गए विधेयक ने इस बात को लेकर बहस छेड़ दी है कि यह कदम राज्यव्यापी असंतोष को शांत करने के लिये महज राजनीति से प्रेरित प्रतिक्रिया है। दरअसल, राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेता जनता के भारी विरोध का सामना कर रहे हैं। हाल ही में आंदोलनकारी प्रशिक्षु डॉक्टरों पर भीड़ के हमले और प्रदर्शन के दौरान पुलिस के दमन से लोगों में भारी गुस्सा है। यही नहीं, टीएमसी के कई नेताओं की असंवेदनशील टिप्पणियों ने भी आंदोलनकारियों के आक्रोश को और बढ़ाया है। दरअसल, राज्य के लोगों खासकर महिलाओं में इस बात को लेकर भी गुस्सा है कि जिस राज्य में एक महिला मुख्यमंत्री हो, वहां एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार व हत्या के मामले में राज्य सरकार ने ईमानदार प्रतिक्रिया नहीं दी। टीएमसी के कई नेताओं द्वारा की गई अनर्गल बयानबाजी ने भी आग में घी डालने का काम किया। दरअसल, राज्य सरकार ने इस कांड में किरकिरी होते देख मामले को दबाने का प्रयास किया। पीड़िता के परिवार ने भी उनके साथ किये गए व्यवहार को लेकर तीखा प्रतिवाद किया था। फिर प्राथमिकी दर्ज करने में देरी व मेडिकल कालेज के परिसर में आंदोलनरत छात्रों पर एक भीड़ के हमले ने यह संदेश दिया कि मामले को दबाने की कोशिश हो रही है। इस तरह के कृत्यों से राज्य में घटना का विरोध और तेज होता चला गया। निस्संदेह, इस मुद्दे पर विपक्षी दलों द्वारा जमकर राजनीति की गई, लेकिन जिस तरीके से राज्य सरकार व प्रशासन ने मामले में प्रतिक्रिया दी, उसने लोगों के गुस्से को बढ़ाया ही है। एक पहलू यह भी है कि नया विधेयक केंद्र की भारतीय न्याय संहिता के साथ तालमेल नहीं रखता, जो बलात्कार के लिये मृत्युदंड का प्रावधान नहीं करती। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों के इसी तरह के विधेयक राष्ट्रपति की अनुमति के लिये जूझते रहे हैं। दरअसल, विगत के अनुभव बताते हैं कि मौत की सजा इस तरह के अपराधों पर नियंत्रण करने में सफल नहीं हुई है। कानून के विशेषज्ञ ऐसी तुरत-फुरत सजा को मानव अधिकारों की प्रकृति के विरुद्ध बताते रहे हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002

RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

मुस्लिम समाज में मर्द क्यों पहनते हैं ऊंचा पजामा?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 सितंबर , इस्लाम धर्म में मर्द का जिस्म नाफ (नाभि) से लेकर घुटने तक ढकने की बात कही गई है. लेकिन उनके पैर के टखने हमेशा दिखने चाहिए. दरअसल ऊंचा पजामा पहनने का एक कारण ये भी है कि टखने से बड़े पजामे के गंदे होने का डर बना रहता है. और गंदे पजामे के साथ नमाज़ अदा करना इस्लाम के खिलाफ है. इस्लाम धर्म में अल्लाह की इबादत को अहम माना गया है. जिसका विश्वास इस्लाम धर्म में है, जो लोग अल्लाह को मानते हैं, जिनका ईमान मुसलम (पूरा) होता है. वो मुसलमान कहलाते हैं. भारत और दुनियाभर के मुसलमान दिनभर में 5 वक्त की नमाज अदा करते हैं. ईसाई धर्म के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा धर्म इस्लाम है. दुनियाभर में तकरीबन 1.8 बिलियन मुसलमानों की संख्या है. मुसलमानों को 5 चीजों का पालन मुख्य रुप से करना होता है. जिनमें मुस्लिम धर्म में पुरुष लंबी दाढ़ी रखते हैं. कुर्ता पजामा पहनते हैं. लेकिन क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि आखिर क्यों मुस्लिम पुरुष ऊंचा पजामा पहनते हैं?

ऊंचा पजामा पहनने का कारण

इस्लाम धर्म में पुरुष के लिए ऊंचा पजामा पहनने का न कोई फर्ज है और न ही कोई रीति रिवाज. लेकिन इस्लाम में पैगंबर मुहम्मद के जीवन काल ये बात मिलती है कि ऊंचा पजामा नहीं पहनना चाहिए. पैगंबर के उपदेशों में इसका जिक्र मिलता है.

दूसरी बात, हम सभी को पता है कि इस्लाम धर्म में नमाज़ पढ़ना काफी महत्वपूर्ण है. इस्लाम धर्म में नमाज अदा करने के कुछ नियम होते है. इन नियमों का सख्ती से पालन करना बेहद जरूरी है. सबसे पहले जिस भी जगह नमाज़ पढ़नी है वो जगह एकदम पाक (साफ-सुथरी) होनी चाहिए. आपका बदन (शरीर) पाक होना चाहिए, जिसके लिए वज़ू के बाद ही नमाज़ को अदा किया जाता है. इन सब नियमों में एक नियम ये भी है कि नमाज़ के वक्त मर्द और औरत का बदन ढका हो. इस्लाम धर्म में मर्द का जिस्म नाफ से लेकर घुटने तक ढकने की बात कही गई है. लेकिन उनके पैर के टखने हमेशा दिखने चाहिए.दरअसल ऊंचा पजामा पहनने का एक कारण ये भी है कि टखने से बड़े पजामे गंदे होने का डर बना रहता है. और गंदे पजामे के साथ नमाज़ अदा करना इस्लाम के खिलाफ है. इसलिए ज्यादातर मुसलमान इस परेशानी से बचने के लिए छोटा पजामा सिलवाते हैं.

इस्लाम धर्म में कपड़ों को लेकर कड़े नियम

इस्लाम धर्म को मानने वाले लोगों का परिधान उनके शिक्षा के अनुरूप अपनाई जाती है. मुसलमान कई तरह के परिधान को पहनते हैं जो इनके धार्मिक विचार के अंतर्गत इन्हें इस्लाम से जोड़े रखते हैं.मुस्लिम पोशाक की बात करें तो इस्लाम के शुरुआत से ही लंबे और फैले हुए कपड़ों को प्राथमिकता दी गई है. ढीले ढाले कपड़ों को प्राथमिकता देने का एक बड़ा कारण इस्लामिक शिक्षाएं हैं जो यह तय करता है कि जिस्म के वो अंग जो यौन प्रकृति के हैं, उन्हें पूर्ण रुप से छिपाया जाना चाहिए.मुस्लिम पुरुषों को सिर से लेकर घुटने तक छिपाकर रखना चाहिए. वही महिलाओं को गर्दन से लेकर टखने तक ढक कर रखने को कहा जाता है. कुरान (Quran) में महिलाओं को हिजाब पहनने की बात कही है.

देश की रक्षा करने वाला हिमालय ही हमारी गलतियों से खतरे में है

हरिद्वार। ऋषिकुल विद्यापीठ ब्रह्मचर्य आश्रम संस्कृत महाविद्यालय में हिमालय बचाओ अभियान के तहत छात्रों और शिक्षकों द्वारा हिमालय बचाने के लिए संकल्प लिया। प्रधानाचार्य बलदेव प्रसाद चमोली ने कहा कि हमारी अपनी गलतियों के चलते पर्यावरण और हमारे देश के सिरमौर हिमालय को खतरा पैदा हो गया। हमें अपनी इस भूल को सुधार कर पर्यावरण के बचाव के लिए प्रयास करने होंगे। डॉ नवीन चंद्र पंत ने हिमालय की प्रतिज्ञा छात्रों एवं कर्मचारियों को दिलाते हुए कहा कि लगाताार कंकरीट के जंगल हमारे आसपास बड़ रहे हैं। जबकि पेड़ों को काटने का कार्य भी लगातार जारी है।

वैश्य समाज पंचपुरी ने श्रीबालाजी ज्वेलर्स में हुई लूट के खुलासे की मांग

हरिद्वार। वैश्य समाज पंचपुरी ने श्रीबालाजी ज्वेलर्स में लूट का खुलासा, गहनों की बरामदगी और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। इसके साथ ही शहर में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की है। इस बारे में समाज की ओर से शुक्रवार को एसपी सिटी के माध्यम से डीजीपी को ज्ञापन भेजा गया। वैश्य समाज के लोगों की उपस्थिति में हितेश अग्रवाल ने ज्ञापन पढ़कर सुनाया। पराग गुप्ता, अरविंद अग्रवाल, विजय बंसल ने बताया कि इन अपराधिक घटनाओं से भय का माहौल बना हुआ है। पुलिस प्रशासन से कहा गया कि श्रीबालाजी ज्वेलर्स पर घटित घटना का जल्द खुलासा हो और पीड़ित ज्वेलर्स को उसके समान की जल्द वापसी करवाई जाए। इसके साथ ही आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रशासन कड़े कदम उठाए।

10 सितंबर को देहरादून में जुटेंगे कोंग्रेसी दिग्गज, बनेगी रणनीति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 सितंबर , प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति की एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निकाय एवं पंचायत चुनाव, केदारनाथ उपचुनाव सहित प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। जूम मीटिंग में प्रदेश चुनाव समन्वय समिति के सदस्यगणों की उपस्थिति रही।

चर्चा के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने श्री केदारनाथ प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा, नगर निकाय चुनाव, कृषि मंत्री गणेश जोशी की जांच प्रकरण, धामी सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने के फैसले, और कर्मचारियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर लगे प्रतिबंध को हटाए जाने के संबंध में चर्चा की। साथ ही, उन्होंने वरिष्ठ नेताओं से उनके सुझाव मांगे।

करन माहरा ने कहा कि जहां एक ओर सरकार नगर निकाय चुनाव से भागती नजर आ रही है, वहीं केदारनाथ के मामले में भाजपा की बौखलाहट स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। जीरो टॉलरेंस का दावा करने वाले

मुख्यमंत्री अपने कैबिनेट मंत्री पर कार्रवाई करने से बचते नजर आ रहे हैं। साथ ही, सरकारी कर्मचारियों के भाजपा के मातृ संगठन आरएसएस की गतिविधियों में हिस्सा लेने का फैसला अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी द्वारा सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस संगठन में भाग लेने का निर्णय गंभीर है, जिस पर कांग्रेस पार्टी को जल्द ही विचार-विमर्श कर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। निकाय चुनाव को लेकर हमारी नजर सरकार की आरक्षण नीति पर है, और समय आने पर उचित फैसला लिया जाएगा।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश अपने राजनीतिक हित साधने के लिए हैं, जोकि निराधार और पूरी तरह गलत हैं। पूर्व अध्यक्ष और पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने धामी सरकार के आरएसएस से संबंधित निर्णय का पुरजोर विरोध किया। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार अपने निर्णय को वापस नहीं लेती है, तो कांग्रेस सड़क से सदन तक अपना विरोध दर्ज कराएगी। लोकसभा प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने कहा कि धामी सरकार लगातार जनविरोधी निर्णय ले रही है, जिनका विस्तृत अध्ययन कर उन मुद्दों को जनता के बीच ले जाना होगा।

साथ ही यह निर्णय लिया गया कि उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी 10 सितंबर 2024 को कांग्रेस मुख्यालय देहरादून में बैठक आयोजित करेगी, जिसमें समन्वय समिति के सभी सदस्य और प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा तथा प्रदेश सहप्रभारी उपस्थित रहेंगे। इस वर्चुअल बैठक के दौरान गोविंद सिंह कुंजवाल, नवप्रभात, और वीरेंद्र रावत ने भी अपने विचार रखे, और सभी ने एकमत होकर पीसीसी द्वारा लिए गए निर्णय पर अपना पूर्ण समर्थन दिया। वर्चुअल बैठक में सेवादल अध्यक्ष हेमा पुरोहित, प्रदेश उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी, एनएसयूआई अध्यक्ष विकास नेगी और माननीय अध्यक्ष के सलाहकार अमरजीत सिंह भी उपस्थित रहे।

प्रदेश में पहले से ही पस्त है कार्यसंस्कृति, अब होगा बंटाधार : सूर्यकांत धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 सितंबर , उत्तराखंड राज्य सरकार का पांच सितंबर का कार्मिक विभाग का शासनादेश जिसमें राजकीय कार्मिकों को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की शाखाओं में जाने की अनुमति प्रदान की है प्रदेश के लिए हानिकारक है और इससे प्रदेश में पहले ही पस्त पड़ी हुई कार्यसंस्कृति का बंटाधार तय है यह बात आज उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने अपने कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कही। धस्माना ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ देश के एक राजनैतिक दल का मातृ संघठन है और उसकी एक राजनैतिक

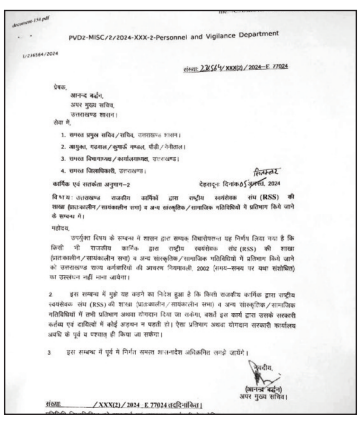

PVDI-MISC/2/2024-XXX-2-Personnel and Vigilance Department

विचारधारा व राजनैतिक दल के लिए प्रतिबद्धता है इसलिए प्रदेश के राजकीय कार्मिकों को उस संघठन की शाखाओं में जाने की अनुमति देना निश्चित रूप से राजकीय कार्मिकों के आचरण नियमावली का उलंघन है और उनको बाकायदा एक शश्मादेश द्वारा शाखाओं में जाने की अनुमति देना असंवैधानिक है।

धस्माना ने कहा कि उत्तराखंड में पुलिस समेत राज्य के विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारी राजकीय कार्मिकों की श्रेणी में आते हैं और अगर इनको एक राजनैतिक दल के मातृ संघठन की गतिविधियों में जाने की अनुमति दी जाती है तो वे अप्रत्यक्ष रूप से उस राजनैतिक दल से संबंधित हो जायेंगे और वे किस प्रकार एक निष्पक्ष कार्मिक की तरह राज्य की सेवाओं में अपना योगदान दे पाएंगे।

उन्होंने कहा कि जो कार्मिक आर एस एस की शाखाओं जाएगा उसके ऊपर कोई भी अधिकारी कैसे नियंत्रण रख पाएगा जबकि पूरे देश को पता है कि वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार में आर एस एस का क्या दखल है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आर एस एस के प्रभाव से मुक्त नहीं हैं तो किसी अधिकारी की क्या हैसियत होगी कि वह अपने किसी ऐसे कर्मचारी जो कि शाखा में जाता हो उससे काम ले ले या उसको नियंत्रण में रख ले। धस्माना ने कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय केवल उत्तराखंड में सरकार व भाजपा में चल रही खींचतान, राज्य में ध्वस्त पड़ी कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, महिलाओं के खिलाफ बड़ रहे अपराधों, आपदा से हुए तबाही और ठप्प पड़े विकास से ध्यान हटाने के लिए एक शिगूफा है जो राज्य के लिए खतरनाक है।

आंखों की सही देखभाल के तरीके बताए

रुद्रप्रयाग। रामकृष्ण मिशन विवेकानंद नेत्रालय देहरादून की ओर से एग्रीकल्चर इंश्योरेंस ऑफ इंडिया लिमिटेड के सहयोग से कोटमा गांव में निवारणीय अंधतामुक्त मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीणों को आंखों की सही देखभाल की जानकारी दी गई। ऊखीमठ ब्लॉक के कोटमा में कार्यक्रम हुआ। चिकित्सा अधिकारी डॉ. गोपाल सजवाण ने रामकृष्ण मिशन विवेकानंद नेत्रालय के स्वास्थ्य सेवा कार्यों की जानकारी दी गई। प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय गुप्तकाशी डॉ. पीएस जगवान ने 2013 की केदार आपदा से निरंतर मिशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान प्रधान कोटमा आशा सती, डॉ. तुलसीदास महाराज, प्रेम सिंह नेगी, पुष्पा देवी, लक्ष्मण सत्कारी, संदीप भट्ट, महेश सती, उर्मिला, अरुण, डॉ. अनामिका, हनुमंत, तेज, अनूप, सुमंत, कुलदीप, अरुण आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों की कमी से छात्रों की पढ़ाई हो रही थी प्रभावित

नई टिहरी। जिले के राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में चली आ रही शिक्षकों की कमी काफी हद तक दूर हो गई है। जिले को 133 शिक्षक मिल गए हैं। इससे उम्मीद है कि लंबे समय से शिक्षकों की कमी से जूझ रहे प्राथमिक स्कूलों में पठन-पाठन कार्य पटरी पर आ सकेगा। शिक्षकों की नियुक्ति में प्रतापनगर, भिलंगना और जाखणीधार ब्लॉक के दूरस्थ स्कूलों को प्राथमिकता दी गई है। इन ब्लॉकों में कई स्कूल शिक्षक विहीन बने हुए थे। शिक्षा विभाग ने जिले रिक्त 315 पदों के लिए शिक्षकों की भर्ती निकाली थी। जिनके चयन के लिए 10 अगस्त को पहली काउंसलिंग की गई थी। जिसमें 315 अभ्यर्थी को बुलाया था। लेकिन काउंसिलिंग केवल 41 अभ्यर्थी आए थे। विभाग ने इन 41 लोगों को नियुक्ति आदेश जारी कर 10 दिन में ज्वॉइन करने को कहा था। बावजूद केवल 29 शिक्षकों ने ही चयनित प्राथमिक स्कूल में ज्वॉइन किया। इसके बाद विभाग ने रिक्त सीटों के सापेक्ष करीब 600 लोगों को दूसरी काउंसलिंग 18 अगस्त को की थी। जिसमें केवल 156 अभ्यर्थी ही काउंसिलिंग में पहुंचे। जिनमें से 104 अभ्यर्थी का चयन प्राथमिक शिक्षक के लिए किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी वीके ढौंडियाल ने बताया कि चयन शिक्षकों को नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। बताया कि चयनित शिक्षकों को 10 दिन के अंदर संबंधित स्कूल में ज्वॉइन के निर्देश दिए। बताया कि चयनित शिक्षकों के ज्वॉइन करने के बाद शिक्षकों की समस्या कुछ कम होगी। चयनित स्कूलों में जाखणीधार ब्लॉक के प्राथमिक स्कूल मंदार,चांठी मंदार, सिल्ला, सेमंडीधार,स्यूरी, पुजार गांव, देवताधार, सारपुल, खोला नवीन, खोला, तुनियार, प्रतापनगर के ल्वार्खा, मिश्रवाणगांव,मंज्यूड,मोलगा, घोल्डाणी,बैथाण, कोरदी, भिलंगना के ज्यूदाणा, लैणी,सरकंडा,क्यारीसेरा,चंगोरा समेत जिलेभर के दूरस्थ क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती की गई। जखणीधार की प्रमुख सुनीता देवी ने क्षेत्र के दूरस्थ स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती करने पर डीएम और शिक्षा विभाग के अधिकारियों का आभार जताया।

गर्वनमेंट पेंशनर्स की बैठक 08 सितम्बर को

रुद्रप्रयाग। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन की बैठक आठ सितम्बर को बाबा काली कमली धर्मशाला रुद्रप्रयाग में होगी। संगठन के अध्यक्ष सदर सिंह रावत ने बताया कि संगठन की मजबूती के लिए समय-समय पर बैठकें की जा रही है। इस बैठक में आगामी 16 सितम्बर को रुद्रपुर में होने वाली बैठक के लिए भी विशेष विचार विमर्श किया जाएगा। संगठन के सभी सदस्यों के सुझावों से समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा।

हिमालय प्रतिज्ञा के साथ हिमालय को लेकर चिंतन किया

नई टिहरी। हिमालय बचाओ अभियान के तहत शुक्रवार को जनपद टिहरी के प्रशिक्षण संस्थानों और स्कूलों में हिमालय प्रतिज्ञा लेकर हिमालय की बिगड़ती सेहत पर चिंतन किया गया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नई टिहरी में कार्य निदेशक मेजर सिंह पुंडीर ने प्रशिक्षुओं व स्टाफ सहित डेढ़ सौ से अधिक लोगों को हिमालय प्रतिज्ञा दिलाते हुए आह्वान किया कि हिमालय की बिगड़ती सेहत के लिए सभी को पर्यावरण प्रेमी बनकर काम करने की जरूरत है। कहा पर्यावरण की दृष्टि से हर वह काम हर व्यक्ति करे जिससे हिमालय की सेहत बेहतर हो। पर्यावरण में निरंतर घुलते जहर को रोकने के लिए हिमालय को जीवंत रखना ही पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। दूसरी ओर नरेंद्रनगर पालीटेक्टनिक व भगत सिंह नेगी राजकीय इंटर कालेज में 6 सौ से अधिक लोगों ने हिमालय प्रतिज्ञा लेते हुए हिमालय हित में निरंतर काम करते रहने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

पीएमजेजेबीवाई योजना का दो लाख का चेक सौपा

पिथौरागढ़। गौरीहाट में उत्तराखंड ग्रामीण बैंक ने एक उपभोक्ता को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा के तहत (पीएमजेजेबीवाई) योजना से लाभान्वित किया। शाखा प्रबंधक शैलेंद्र जोशी और कार्यालय सहायक हिमांशु सिद्धार्थ ने बड़ालू निवासी लक्ष्मण चंद को दो लाख राशि का चेक सौंपा। शाखा प्रबंधक शैलेंद्र ने बताया कि लक्ष्मण की पत्नी दीपा चंद का बैंक में खाता था। उन्होंने बैंक मित्र प्रकाश चन्द्र भट्ट से पीएमजेजेबीवाई का बीमा करवाया था। गत पांच मई को उनका निधन हो गया था। इधर, बनकोट में भी ग्रामीण बैंक ने सुनीता देवी को को भी पति का निधन होने पर पीएमजेजेबीवाई योजना के तहत दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

गंगोलीहाट: फुटबाल फेडरेशन का उदघाटन मैच भाटगांव ने जीता

पिथौरागढ़। फुटबॉल फेडरेशन के तत्वाधान में जीआईसी के खेल मैदान में फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू हुई। उदघाटन मैच में भाटगांव की टीम ने हनेरा ए को पराजित किया। बताया कि टूर्नामेंट में 14 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। प्रतियोगिता की विजेता टीम को 51 और उपविजेता टीम को 21 हजार की नगद धनराशि दी जाएगी। प्रतियोगिता का उदघाटन करते हुए ब्लॉक प्रमुख अर्चना गंगोला ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर उन्होंने महाकाली रोड से खेल मैदान तक रास्ता बनाने के लिए डेढ़ लाख की राशि देने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि निवर्तमान पालिकाध्यक्ष जयश्री पाठक, पशुधन प्रसार अधिकारी रमामहेश टम्टा रहे। उदघाटन मैच हनेरा ए और भाटगांव के मध्य खेला गया, जिसमें भाटगांव ने जीत दर्ज की। निर्णायक आयुष रावत, लाइनमैन मनोज दशौनी, वीरेंद्र मेहरा रहे, शिक्षक त्रिभुवन बिष्ट ने उद्घोषक की भूमिका अदा की। इस मौके पर फेडरेशन के संरक्षक नारायण सिंह बोहरा, व्यापार संघ अध्यक्ष हितेश खाती, फेडरेशन अध्यक्ष गजेंद्र रावल, उपाध्यक्ष दरपान बिष्ट, सचिव खुशदेव कार्की, कोषाध्यक्ष भूपेश पंत आदि मौजूद रहे।

मुनस्यारी में कांग्रेसियों ने धरना-प्रदर्शन कर जताया आक्रोश

पिथौरागढ़। नगर की समस्याओं का समाधान न होने पर कांग्रेस कार्यकर्ता शुक्रवार को सड़क पर उतर आए। कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन कर कहा कि नगर पंचायत का दर्जा मिलने के बाद भी नगर की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। आमजन के साथ ही यहां आने वाले पर्यटक बेहतर सफाई व्यवस्था से वंचित हैं। नगर के तहसील कार्यालय में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनोहर टोलिया के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी की और धरने में बैठ गए। वक्ताओं ने कहा शहर को नगर पंचायत का दर्जा मिल चुका है, लेकिन यहां रहने वाले लोगों बेहतर सुविधाओं से अब भी वंचित हैं।